“बीता हुआ कल बदला नहीं जा सकता, लेकिन आने वाला कल हमेशा आपके हाथ में होता है”

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 139/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 13 दिसंबर 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सोना आज 4,114 और चांदी 6,899 महंगी

सोने और चांदी की कीमत आज (12 दिसंबर) ऑल टाइम पर पहुंच गईं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम सोने की कीमत 4,114 बढ़कर 1,32,710 हो गई है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। गुरुवार को इसकी कीमत 1,28,596 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। इससे पहले 17 अक्टूबर को सोने की कीमत 1,30,874 रुपए के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर थी।

संसद हमले की 24वीं बरसी

प्रधानमंत्री मोदी-राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। आज संसद हमले की 24वीं बरसी पर देश अपने वीर सपूतों को याद कर रहा है, जिन्होंने बिना अपनी जान की परवाह करते हुए आतंकियों के मंसूबे को नाकाम किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और अन्य सांसदों और इस हमले में शहीद सुरक्षा कर्मियों को श्रद्धांजलि दीं और उनके बलिदान को याद किया।

संसद हमले में कई सुरक्षा कर्मी शहीद हुए थे और देशभर में इस घटना को देश की सुरक्षा और शौर्य की याद के रूप में याद किया जाता है। शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित समारोह में सभी नेताओं ने फूल चढ़ाकर और श्रद्धांजलि देकर शहीद सुरक्षा कर्मियों के अदम्य साहस और बलिदान को सम्मानित किया। इस अवसर पर संसद परिसर में गणमान्य व्यक्तियों और सुरक्षा अधिकारियों की भी उपस्थिति रही और देशभर में शहीदों को याद कर उनके बलिदान को सलाम किया गया

भारत हमेशा उनके बलिदान के लिए आभारी रहेगाः मोदी

इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज के दिन हमारा देश 2001 में संसद पर हुए भयानक हमले में अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को याद करता है। इस संकटपूर्ण समय में उनके साहस, सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा सराहनीय थी। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए आभारी रहेगा।

शहीद सुरक्षा कर्मी के परिवार ने कहा- हमें गर्व है

2001 के संसद हमले की बरसी पर शहीद सुरक्षा कर्मी के परिवार ने देशभक्ति की भावनाएं व्यक्त की हैं। शहीद के परिवार का कहना है कि हमें फोन आया कि संसद में आतंकवादी हमला हुआ है और उन्हें गोली लगी है, लेकिन उनकी सटीक स्थिति नहीं पता थी। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि उन्होंने देश की संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए।

सांध्यप्रकाश विशेष

पाकिस्तान में पढ़ाई जाएगी संस्कृत, लाहौर यूनिवर्सिटी में शुरू हुआ कोर्स

रामायण और गीता-महाभारत पर रिसर्च की तैयारी

लाहौर। पाकिस्तान में पहली बार स्वतंत्रता के बाद संस्कृत शिक्षा की वापसी हो रही है। लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंस (एलयूएमएस) ने 3 महीने चली विशेष वर्कशॉप के बाद अब औपचारिक रूप से 4-क्रेडिट वाला संस्कृत कोर्स शुरू कर दिया है। यूनिवर्सिटी इस पहल को आगे बढ़ाते हुए जल्द ही डिप्लोमा प्रोग्राम और रामायण, गीता और महाभारत पर रिसर्च आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रही है। पाकिस्तान में संस्कृत की

शिक्षा का यह अध्याय ऐतिहासिक है, क्योंकि अंग्रेजों से आज़ादी के बाद लाहौर में पहली बार किसी बड़े शैक्षणिक संस्थान में संस्कृत का संगठित अध्यापन हो रहा है। एलयूएमएस में आयोजित हालिया वर्कशॉप में बड़ी संख्या में छात्रों, रिसर्चर्स और प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया, जिसके बाद यूनिवर्सिटी ने आधिकारिक रूप से कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया। यूनिवर्सिटी द्वारा शुरू किया गया यह कोर्स नियमित पाठ्यक्रम का हिस्सा है। सीमित सीटों के कारण फिलहाल यह छोटे स्तर पर शुरू किया गया है, लेकिन एलयूएमएस प्रशासन का लक्ष्य 2027 तक सीटें बढ़ाने और पूर्ण संस्कृत डिप्लोमा लॉन्च करने का है। इस कोर्स में मूल संस्कृत व्याकरण, शास्त्रीय ग्रंथों और पुराणिक साहित्य की समझ पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

एलयूएमएस के गुरमानी सेंटर के निदेशक डॉ. अली उस्मान कासमी ने बताया कि आने वाले 10-15 वर्षों में पाकिस्तान से ऐसे विद्वान निकलेंगे जो संस्कृत, गीता, रामायण और महाभारत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की रिसर्च करने में सक्षम होंगे। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में ही प्राचीन वेदों की रचना हुई मानी जाती है, इसलिए संस्कृत का अध्ययन पाकिस्तान के सांस्कृतिक और भाषाई इतिहास को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डॉ. कासमी का मानना है कि संस्कृत पढ़ने से पाकिस्तान के भाषाई ढांचे को भी मजबूती मिलेगी, क्योंकि पंजाबी, पश्तो, सिंधी और बलोची सहित कई भाषाओं की जड़ें संस्कृत से जुड़ी हैं। एलयूएमएस में पहले से ही अरबी, फ़ारसी और कई स्थानीय भाषाओं का शिक्षण होता है, और संस्कृत को जोड़ना इस भाषाई इकोसिस्टम को और समृद्ध करेगा। दिलचस्प बात यह है कि एलयूएमएस के पास वर्षों पुरानी संस्कृत पांडुलिपियों का संग्रह भी मौजूद है।

मुख्यमंत्री ने विक्रमादित्य द्वार का किया भूमिपूजन, पीएम ई-बस डिपो के काम की शुरुआत भी

भोपाल के बड़े तालाब का होगा गहरीकरणः यादव

भोपाल, सांध्यप्रकाश

भोपाल-इंदौर स्टेट हाईवे पर विक्रमादित्य द्वार बनेगा। शनिवार को सीएम डॉ. मोहन यादव ने द्वार का भूमिपूजन किया। ये द्वार ठीक उज्जैन के विक्रमादित्य द्वार जैसा ही बनेगा।

कार्यक्रम भोपाल-इंदौर स्टेट हाईवे स्थित शासकीय महाराणा प्रताप स्कूल परिसर फंदा में हुआ। प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप, हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवानदास सबनानी, बीजेपी प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, जिलाध्यक्ष तीरथ मीणा, महापौर मालती राय, नगर

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य उज्जैन में राज्य चलाया और केवल वहां शासन ही नहीं किया, अयोध्या में राम मंदिर भी बनवाया था। आज विक्रमादित्य द्वार का भूमिपूजन किया गया, यह हमारे गौरवशाली अतीत का प्रमाण है। आज का यह दौर हमारे लिये आनंद का समय है। जब हम जय श्रीराम करते हैं तो किसी की निंदा नहीं, किसी का अपमान नहीं। हम अपने भगवान को याद करते हैं। भगवान राम और भगवान कृष्ण ने संबंधों का अर्थ समझाया। भगवान राम केवल एक राज्य के राजा नहीं थे, उन्होंने मर्यादा के नये मानदंड स्थापित किए। जो-जो इतिहास मध्यप्रदेश से जुड़ा है, उसे संरक्षित किया जाएगा। भगवान कृष्ण ने उज्जैन में सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण की, उस शिक्षा को पूरी दुनिया ने गीता के रूप में देखा।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा है कि तालाब का पानी सड़क पर आ जाता है, खेतों में भर जाता है। हम कहते हैं कि बड़े तालाब को गहरा किया जाएगा। एक-एक बूंद का संरक्षण किया जाएगा। खेतों में पानी नहीं भरेगा। यहां हजारों की संख्या में लाडली बहनाएं बैठी हैं, हम उन्हें सशक्त कर रहे हैं। हम हर महीने रक्षाबंधन मना रहे हैं, उन्हें हर महीने 1500 रुपए दे रहे हैं। इसमें कोई राजनीति नहीं की जा रही है।

महापौर मालती राय ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में विकास और सेवा के संकल्प को निरंतर गति मिल रही है। भोपाल को केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से 100 इलेक्ट्रिक बसें मिली हैं। इनके सुगम संचालन के लिए 16 करोड़ रूपय की लागत से चार्जिंग स्टेशन भी बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर बीआरटीएस को हटाकर आवागमन को सुगम किया गया है। राजधानी में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल नगर निगम द्वारा अमृत 2.0 परियोजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों तथा अन्य विकास कार्यों पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, दक्षिण पश्चिम विधायक भगवान दास सबनानी एवं आयुक्त जनसंपर्क दीपक कुमार सक्सेना ने सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

हर साल 2 लाख लोग छोड़ रहे भारतीय नागरिकता

सरकार ने कहा- 2021 के बाद संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विदेश मंत्रालय ने संसद को बताया है कि पिछले 5 सालों में करीब 9 लाख भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी है।

राज्यसभा में जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह कहा- 2011 से 2024 के बीच लगभग 21 लाख भारतीयों ने विदेशी नागरिकता अपनाई। 2021 के बाद नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या में बड़ा उछाल देखने को मिला। जहां कोरोना महामारी के वर्ष 2020 में यह आंकड़ा घटकर 85 हजार के करीब रह गया था, वहीं इसके बाद यह संख्या 2 लाख के आसपास पहुंच गई। सरकार ने बताया कि पिछले 3 वर्षों में सुरक्षा कारणों से मिडिल ईस्ट के देशों से 5,945 भारतीय

नागरिकों को निकाला गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में बताया कि इनमें इजराइल से 'ऑपरेशन अजय' और ईरान-इजराइल से 'ऑपरेशन सिंधु' शामिल हैं। इसके अलावा कुवैत अग्निकांड में मारे गए 45 भारतीयों के शव भी भारत लाए गए। राज्यसभा की मनोनीत सांसद सुधा मूर्ति ने 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त, अनिवार्य शिक्षा और देखभाल की गारंटी देने का प्रस्ताव रखा है।

पंकज चौधरी के प्रस्तावक बने सीएम योगी आदित्यनाथ

यूपी बीजेपी के नए अध्यक्ष के लिए नामांकन

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन शनिवार को होगा। भाजपा उत्तर प्रदेश में ओबीसी चेहरे पर दांव लगा सकती है।

प्रदेश मुख्यालय में नामांकन दोपहर दो बजे से तीन बजे के बीच होगा। शाम तक नामांकन पत्रों की जांच व नाम वापसी का समय है। उम्मीद एक ही नेता के नामांकन करने की हो रही है। रेस में सबसे आगे केंद्रीय मंत्री व सात बार के सांसद पंकज चौधरी चल रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय परिषद सदस्यों की औपचारिक घोषणा रविवार को केंद्रीय चुनाव अधिकारी व मंत्री पीयूष गोयल करेंगे।

पंकज चौधरी के प्रस्तावकों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री कैशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, स्मृति ईरानी,स्वतंत्र देव

सिंह,सूर्य प्रताप शाही, सुरेश कुमार खन्ना व बेबी रानी मौर्य हैं। पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति भाजपा कार्यालय पहुंच गई हैं। फतेहपुर से पूर्व सांसद साध्वी निरंजन ज्योति भी अध्यक्ष पद की दावेदार हैं। इस तरह के कयास लग रहे हैं कि इस बार बीजेपी किसी महिला को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बना सकती है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को प्रदेश अध्यक्ष चुनने के लिए केंद्रीय चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

कोलकाता में मेसी के फैंस का हंगामा, जल्दी जाने पर भड़के

कुर्सियां और बोतलें फेंकीं

कोलकाता। लियोनल मेसी आज कोलकाता पहुंचे और सॉल्ट लेक स्टेडियम का दौरा किया। लैप ऑफ ऑनर के बाद वह स्टेडियम से जल्दी निकल गए। इसके बाद सॉल्ट लेक स्टेडियम में मौजूद फैंस ने जमकर हंगामा किया है। उन्होंने कुर्सियां और बोतलें फेंकी हैं। इसका वीडियो सामने आया है। मेसी को देखने के लिए हजारों की संख्या में फैंस पहुंचे थे। सबसे बड़ी बात कि उन्होंने टिकट के लिए भारी कीमत भी चुकाई थी। ऐसे में उनके जल्दी स्टेडियम से जाने से फैंस भड़क गए।

गुस्साए फैंस की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। एक प्रशंसक का कहना है, बेहद निराशाजनक घटना। वे सिर्फ 10 मिनट के लिए आए। सभी नेता और मंत्री उनके चारों ओर जमा थे। हम

कुछ भी नहीं देख पाए। उन्होंने एक भी किक या पेनल्टी नहीं ली। उन्होंने कहा था कि वे शाहरुख खान को भी लाएंगे। लेकिन वे किसी को नहीं लाए। वे 10 मिनट आए और चले गए। इतना पैसा, भावनाएं और समय बर्बाद हो गया। हम कुछ भी नहीं देख पाए...। वहीं, दूसरे फैन ने कहा, मेसी के चारों ओर सिर्फ नेता और अभिनेता ही थे...तो फिर उन्होंने हमें क्यों बुलाया... हमें 12 हजार का टिकट मिला था, लेकिन हम उनका चेहरा तक नहीं देख पाए...।

शिवराज को लेकर पाकिस्तानी आईएसआई की दिलचस्पी

गृह मंत्रालय ने आवास पर सुरक्षा बढ़ाई

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान की सुरक्षा बढ़ाई गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को मिले इनपुट के बाद शुक्रवार देर रात भोपाल और दिल्ली-दोनों जगह उनकी सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया गया।

भोपाल में 74 बंगला स्थित बी-8 आवास के चारों तरफ पुलिस ने अतिरिक्त बैरिकेडिंग की। वहीं दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। शिवराज पर पाकिस्तान के की खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर से दिलचस्पी दिखाने की जानकारी मिली है। सुरक्षा बढ़ाने को लेकर जारी गृह मंत्रालय के पत्र के मुताबिक केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बारे में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने

जानकारी हासिल करने में दिलचस्पी दिखाई है। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी की सलाह से केंद्रीय मंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई है। पत्र में कहा गया है कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अपनी सुरक्षा व्यवस्था को उचित रूप से समायोजित करें। सुरक्षा बढ़ाने को लेकर जारी गृह मंत्रालय के पत्र के मुताबिक केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बारे में ढ्स्ढ्ढ ने जानकारी हासिल करने में दिलचस्पी दिखाई है।

दुष्यंत संग्रहालय में गूंजी काव्य-सरिता, भव्यता भक्तिभाव और साहित्य का दिखा अदभुत संगम

राजधानी में अखिल भारतीय कायस्थ कवि समागम में परंपरा, संस्कृति और काव्य की उजली धारा

भोपाल, सांध्यप्रकाश। राजधानी के दुष्यंत संग्रहालय में आयोजित अखिल भारतीय कायस्थ कवि समागम साहित्य, संस्कृति और अध्यात्म का एक अनूठा उत्सव बनकर उभरा। कार्यक्रम की विशेषता रही कि इसका आयोजन भगवान श्री चित्रगुप्त जी की अध्यक्षता तथा मां वीणा वादिनी के मुख्य आतिथ्य में प्रतीकात्मक रूप से किया गया, जिससे समूचा वातावरण आध्यात्मिक और साहित्यिक ऊर्जा से आलोकित हुआ।

यह भव्य आयोजन श्रीराम सेवक बुंदेली साहित्य संस्कृति परिषद, भोपाल द्वारा संयोजित किया गया, जिसमें देशभर के नामचीन कायस्थ कवि शामिल हुए। प्रयागराज, झांसी, ललितपुर, जयपुर, ग्वालियर, डबरा, उज्जैन, रतलाम, विदिशा और भोपाल सहित विभिन्न शहरों से आए 60 से अधिक कवियों ने अपनी सृजनधर्मिता से समारोह को रंगीन और सार्थक बनाया।

साहित्यिक रसधारा में डूबा दुष्यंत संग्रहालय

समागम का संचालन भोपाल शाखा अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव 'देव', सचिव ओ.पी. श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजक श्याम श्रीवास्तव 'सनम' डबरा तथा सहङ्कसंयोजक मनीष बादल के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर देशभर से आए प्रमुख रचनाकार, राजेश चंचल, महेश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, महेश सक्सेना, अरविंद श्रीवास्तव, मुरलीमनोहर श्रीवास्तव, चंद्रशेखर श्रीवास्तव, मुकेश कबीर, प्रेक्षा सक्सेना, अभिलाषा श्रीवास्तव÷अनुभूति÷, प्रियंका श्रीवास्तव, संगीत सरल की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

स्मारिका 'प्रथम पुष्प' और श्री चित्रगुप्त चालीसा का विमोचन

कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय कायस्थ कवि समागम की स्मारिका 'प्रथम पुष्प', श्री चित्रगुप्त चालीसा, तथा विशेषांक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर 60 से अधिक कवियों को कायस्थ कवि कलम, चित्रगुप्त माला, चित्रगुप्त 2025 सम्मान पत्र, शाल और विशेष स्मृतिङ्कचिह्न अखिल भारतीय कायस्थ कवि समागम लिखे बैग भेंट कर सम्मानित किया गया। यह समागम न केवल भाषाईङ्कसांस्कृतिक धरोहर का उत्सव था, बल्कि कायस्थ समाज की साहित्यिक परंपरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण मंच भी साबित हुआ। दुष्यंत नगर में उमड़ी साहित्यिक ऊर्जा और भक्तिभाव ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।

जब योग, सूर्य और प्रकृति एक हों - तब साधना जीवन बन जाती है : योग गुरु महेश अग्रवाल

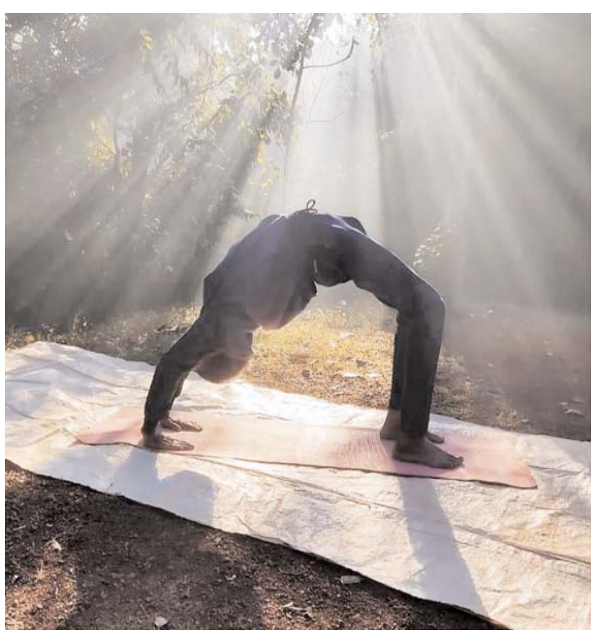

भोपाल, सांध्यप्रकाश। चक्रासन - प्रकृति के सान्निध्य में ऊर्जा, संतुलन और आनंद - प्रातःकाल की शीत ऋतु में सूर्य की स्वर्णिम किरणों के साथ किया गया चक्रासन शरीर में नवजीवन का संचार करता है। यह आसन मेरुदण्ड को लचीला, सशक्त और युवा बनाए रखने में अद्भुत सहायक है। चक्रासन से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और श्वसन तंत्र सुदृढ़ होता है। प्राकृतिक वातावरण में बहती जलधारा और पक्षियों की मधुर ध्वनि मन को गहरे ध्यान में ले जाती है यह आसन हृदय को खोलता है, रक्तसंचार को सक्रिय करता है। और ऊर्जा स्तर बढ़ाता है। नियमित अभ्यास से थकान, तनाव और जड़ता दूर होकर उत्साह का संचार होता है। औषधीय वृक्षों की शुद्ध वायु के साथ किया गया चक्रासन रोग प्रतिरोधक शक्ति को बल देता है। यह आसन आत्मविश्वास, साहस और सकारात्मक सोच को प्रबल करता है। चक्रासन शरीर और मन के संतुलन का प्रतीक है - जहाँ शक्ति और शांति का मिलन होता है। सूर्य की किरणों में स्नात यह अभ्यास संपूर्ण देह को दिव्य प्रकाश से भर देता है। प्रकृति के सान्निध्य में किया गया चक्रासन योग को जीवन का उत्सव बना देता है।

भोपाल, सांध्यप्रकाश। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से अपर मुख्य सचिव, वन विभाग अशोक बर्णवाल ने आज लोकभवन में सौजन्य भेंट की।

लिटिल हैंड्स प्ले स्कूल के वार्षिक समारोह में बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा मन

भोपाल, सांध्यप्रकाश। लिटिल हैंड्स प्ले स्कूल का वार्षिक दिवस समारोह सेंट्रल पार्क, रीगल होम्स, खजूरी कला में हर्षोल्लास और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का दिल जीत लिया। समारोह की मुख्य अतिथि पार्षद मधु शिवनानी रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नरेश जादौन (अध्यक्ष, रीगल होम्स) एवं श्री एस. सी. हुरमाडे (अध्यक्ष, मानवाधिकार परिषद) उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देशभक्ति गीतों, समूह नृत्य, सांस्कृतिक नाट्य और मनोहारी प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। देशप्रेम से ओत-प्रोत गीतों पर बच्चों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने वातावरण को राष्ट्रभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया। अपने संबोधन में अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। लिटिल हैंड्स प्ले स्कूल के संचालक श्री विनोद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं कार्यक्रम में सहयोग देने वालों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ संस्कार और संस्कृति से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के समापन पर बच्चों की प्रस्तुतियों की जमकर सराहना हुई और समारोह यादगार बन गया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सेन समाज विकास संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सेन का किया अभिनंदन

देहदान संकल्प को बताया समाजहित एवं मानवता के लिए अनुकरणीय कदम

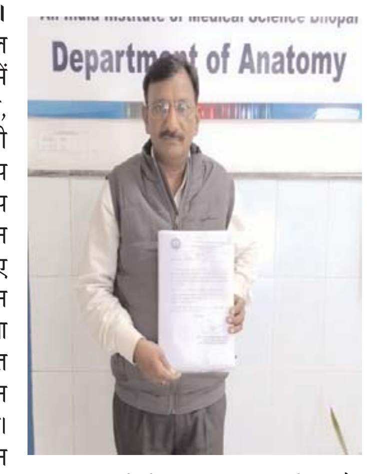

भोपाल, सांध्यप्रकाश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निवास कार्यालय भोपाल में सेन समाज विकास संगठन, मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक सेन का देहदान संकल्प के लिए अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्री सेन द्वारा समाजहित में उठाए गए देहदान के संकल्प को गहन संवेदनशीलता और मानव सेवा के सर्वोच्च मूल्यों से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि देहदान का निर्णय प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि श्री अशोक सेन का यह कदम समाज में देहदान एवं अंगदान को लेकर सकारात्मक सोच और जागरूकता बढ़ाएगा, तथा अनेक लोगों को जीवनरक्षक निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह संकल्प मनुष्य जीवन की महत्ता और समाजहित के प्रति उनके गहरे समर्पण को दर्शाता है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार अंगदान और देहदान को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने समाज सेवा के निरंतर प्रयासों की सराहना की और उनके उत्तम स्वास्थ्य व की शुभकामनाएँ दीं।

राज्य स्तरीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 18 एवं 19 दिसम्बर को नरसिंहपुर में

भोपाल, सांध्यप्रकाश। म.प्र.श्रम कल्याण मंडल द्वारा राज्य स्तरीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन खेल स्टेडियम ग्राउंड, नरसिंहपुर में 18 एवं 19 दिसम्बर 2025 को किया जायेगा। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों में विगत माह संपन्न, संभागीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उप विजेता शामिल होंगे।प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 1,000 से अधिक श्रमिक खिलाड़ीइस आयोजन में भाग लेंगे। प्रतियोगिता का उदघाटन एवं पुरस्कार वितरण श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम में मंडल द्वारा संचालित उत्तम श्रमिक पुरस्कार योजना के अंतर्गत चयनित 15 श्रमिकों तथा श्रमिक साहित्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत चयनित 10श्रमिकों को श्रम मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। मंडल की उत्तम श्रमिक पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रत्येक श्रमिक को 25,000/- रुपये, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये जाते हैं, इसी प्रकार श्रमिक साहित्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रत्येक श्रमिक को 10,000/- रुपये, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये जाते हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों में स्थापित औद्योगिक इकाईयों एवं स्थापनाओं में कार्यरत श्रमिक खिलाड़ी समूह खेलों में कबड्डी (महिला एवं पुरुष), रस्साकशी (महिला एवं पुरुष), वॉलीबॉल, एवं केरम तथा इसी प्रकार व्यक्तिगत खेलों में 100मीटर, 200मीटर, 400मीटर, 800मीटर, 1500मीटर, उंची कूद, लम्बी कूद, भाला फेंक, तवा फेंक, गोला फेंक प्रतियोगिताएँ सम्मिलित हैं।

श्रम विभाग द्वारा स्टार रेटिंग के लिये आवेदन आमंत्रित

भोपाल, सांध्यप्रकाश। श्रम विभाग, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल, श्रम स्टार रेटिंग प्रणाली आरंम्भ की गयी है। इस प्रणाली के तहत कारखानों, दुकान एवं स्थापना के अंतर्गत 'UTR- https://sambal.mp.gov.in पर स्टार रेटिंग हेतु अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। इस आवेदन से संस्थान द्वारा कुल दस मापदंण्डों के प्रावधानों के अनुपालन की स्थिति अनुसार स्व आकलन होगा। इस प्रक्रिया से कारखाना/संस्थान ऑनलाईन श्रम स्टार रेटिंग सर्टिफिकेट जारी हो सकेगा। यह पारदर्शी रेटिंग प्रतिष्ठानों द्वारा अपने श्रमिकों के अधिकारों एवं कल्याण को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है। यह बेहतर कार्यस्थलों के मापदंडों को बढ़ावा देने तथा जिम्मेदार औ?द्योगिक एवं व्यावसायिक प्रथाओं की संस्कृति को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कारखानों एवं प्रतिष्ठानों की श्रम स्टार रेटिंग संबंधित जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। जहाँ से इसे सरलता से प्राप्त और सत्यापित किया जा सकता है। इससे न केवल समाज में उचित श्रम प्रथाओं के महत्व की जागरुकता बढ़ेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यवसायों को प्राथमिकता देने में सहायता प्राप्त होगी। उच्च श्रम स्टार रेटिंग वाले कारखानों संस्थानों के उत्पाद की और उपभोक्ता सहज ही आकर्षित होगे, जिससे नियोजकों में भी अपने श्रमिकों के हितों के प्रति प्रति?द्धता दृढ़ होगी। आमजन से भी अपेक्षा है कि किसी उत्पाद के संबंध में बम स्टार रेटिंग को ध्यान में रखे ताकि श्रमिकों के हितों के उ?द्देश्य को संरक्षित किया जा सके।इस के प्रसार से उत्पादकों और विज्ञापनदाताओं को अपने रणनीतियों को नैतिक श्रम मानकों के अनुरुप पुनर्परिभाषित करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। जिससे हमारे राज्य के उद्योगों में एक सकारात्मक प्रभाव पैदा होगा।

कायस्थम टीवी एवं फिल्म कलाकार तितिक्षा, सोनिया और शोभिता श्रीवास्तव को कायस्थ गौरव सम्मान से सम्मानित करेगा

11 जनवरी को होगा कायस्थम- 26 का भव्य आयोजन

भोपाल, सांध्यप्रकाश। कायस्थम मध्य प्रदेश द्वारा आगामी 11 जनवरी को कायस्थम-26 के समारोह में कायस्थ समाज की उभरती हुई टीवी एवं फिल्म कलाकार तितिक्षा श्रीवास्तव, सोनिया श्रीवास्तव और शोभिता श्रीवास्तव को फिल्म एवं कला जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए कायस्थ गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कायस्थम - का यह आयोजन स्थानीय रविंद्र भवन के अंजनी सभागार में शाम 4¬00 बजे से होगा । कार्यक्रम में अनेक विशिष्ट अतिथि भी शामिल होंगे। कायस्थम की महासचिव डॉ. रश्मि सक्सेना के अनुसार कायस्थ गौरव सम्मान से सम्मानित होने वाली यह तीनों कलाकार विगत कई वर्ष से टीवी सीरियल, फिल्मों और वेब सीरीज में कार्य कर रही है । कायस्थम मध्यप्रदेश उन्हें कायस्थ समाज का नाम रोशन करने के लिए सम्मानित करेगा। इनमें से तितिक्षा श्रीवास्तव प्रसिद्ध उद्घोषक डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव,शोभिता श्रीवास्तव डॉ. अशोक श्रीवास्तव और सोनिया श्रीवास्तव श्री आदित्य प्रकाश श्रीवास्तव की पुत्री हैं । सुश्री तितिक्षा श्रीवास्तव एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री, शास्त्रीय नृत्यांगना और मीडिया वकील भी हैं, जो फिल्मों के अलावा टीवी के विभिन्न चैनलों के धारावाहिकों में तेजी से उभरती हुई कलाकार के रूप में प्रसिद्ध है। उनका करियर टेलीविजन, फिल्मों, ओटीटी प्लेटफॉर्म, थिएटर

और मॉडलिंग तक फैल चुका है। हाल में उन्होंने ज़ी टीवी के धारावाहिक जागृति- एक नई सुबह में गीता का किरदार निभाया है । वे कंगना रनौत के साथ धाकड़ फिल्म में आईटीएफ एजेंट ,धर्मा प्रोडक्शन की सेल्फी में पत्रकार श्वेता वर्मा, मार्क मूवीज डरांचू में कोयल, यशराज की फिल्म 69 में नेहा सोनी का किरदार निभा चुकी है। नेटफ्लिक्स पर उनकी आने वाली वेब सीरीज लेटर्स टू मिस्टर खन्ना, स्टेपसंस के अलावा स नित्या मेहता की न्याय तथा कर्मा प्रोडक्शन की श्रीवास्तव संग श्रीवास्तव में भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। ओटीटी के अन्य प्लेटफॉर्म पर भोपाल टू वेगास, तेरा छलावा ,मौका ए वारदात तथा सावधान इंडिया में भी महत्वपूर्ण भूमिका में वे होंगी। तितिक्षा श्रीवास्तव को कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट और बेहतर योगदान के लिए मध्य प्रदेश गौरव रत्न सम्मान 2021 प्राप्त हो चुका है। वह 2018 में मिस कॉस्मिक दिवा परिधानिक भी रह चुकी है।

सोनिया श्रीवास्तव

फिल्म एवं टीवी कलाकार श्रीमती सोनिया श्रीवास्तव भोपाल निवासी हैं। भोपाल में कई वर्षों तक थिएटर करने के बाद सोनिया श्रीवास्तव ने मुंबई की ओर रुख किया किया था । वे अनेक विज्ञापनों में भी नजर आई हैं । सोनिया श्रीवास्तव ने कलर्स टीवी सीरियल बानी , परिणीति, सब टीवी के चिड़ियाघर, ज़ी टीवी के राम मिलाई जोड़ी , सोनी लिव के एक दूजे के वास्ते - 2, स्टार प्लस के दादी अम्मा मान जाओ और दो दूनी प्यार सीरियल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा प्रसिद्ध फिल्में शेरनी, यमला पगला दीवाना, सनम रे, आदि में भी अपने अभिनय का जादू बिखेरा है । आमिर खान प्रोडक्शन की आने वाली फिल्म लाहौर 1947 में भी आप काम कर रही हैं। सोनिया श्रीवास्तव राजश्री प्रोडक्शन, आमिर खान प्रोडक्शन, राजकुमार संतोषी, दिव्या खोसला जैसे प्रख्यात निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मौका मिला है।

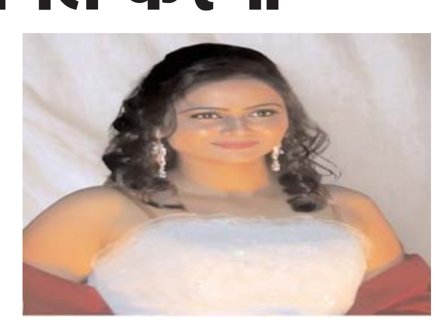

शोभिता श्रीवास्तव

टीवी एवं फिल्म कलाकार भोपाल निवासी शोभिता श्रीवास्तव पिछले अनेक वर्षों से मुंबई के कला मंच पर भोपाल एवं कायस्थ समाज का नाम रोशन कर रही हैं। शोभिता कथक नृत्य में स्नातक है। उन्होंने अनेक सीरियल, एपिसोडिक शो, डेली सोप में काम किया है। फिल्मों, शॉर्ट फिल्मों, संगीत वीडियो में भी मुख्य और सहायक भूमिका निभाई है। शोभिता श्रीवास्तव के कुछ उल्लेखनीय कार्यों में वूडू डॉल्स का माया जाल (अदालत), स्वरा भास्कर के साथ वेब सीरीज ÷मिसेज फलानी÷, सोनी टीवी के लिए सीरियल गरुड़, वागले की दुनिया, क्योंकि तुम ही हो, बड़े अच्छे लगते हैं, बालिका वधु 2, ÷जय जय शिव शंकर÷ शामिल है , जिनमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई है ।÷महिमा शनि देव की÷, ÷चित्रांगदा÷सीरियल में भी शोभिता ने अपनी कला का जादू बिखेरा है।

सांसद अनिल फिरोजिया ने अपनी लिखित पुस्तक विवेकानंद और मोदी दो युगपुरुष जिन्होंने देश की दशा और दिशा बदली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट की और इस पुस्तक की विषय वस्तु एवं उद्देश्य पर उनसे सार्थक चर्चा की।

हिमाद्री सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास पर मुलाकात की।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एरोपोनिक्स आधारित आलू बीज उत्पादन की प्रक्रिया का नजदीकी अवलोकन किया और इस उन्नत तकनीक के माध्यम से किसानों को सशक्त बना रहे विद्यार्थियों से इसकी बारीकियां समझीं। यह जानकर आश्चर्य होगा कि इस तकनीक में पौधों को मिट्टी के बिना, केवल पोषक घोल की सूक्ष्म फुहारों में उगाया जाता है, जबकि उनकी जड़ें हवा में स्थिर रहती हैं। इस उन्नत दृष्टिकोण और नवाचार को देखकर गर्व होता है कि विश्वविद्यालय के छात्र नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर हमारे अन्नदाताओं को सशक्त बनाने की निरंतर पहल कर रहे हैं।

हिमाद्री सिंह ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मिल कर शहडोल संसदीय क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया और रेल सुविधाओं में वृद्धि का आग्रह किया। मंत्री ने अधिकारियों को जन अपेक्षाओं के अनुरूप शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए. 18233-34 नर्मदा एक्सप्रेस के वेंकटनगर स्टेशन में पूर्व स्वीकृत ठहराव के अभी तक प्रारंभ ना होने से अवगत करवाया। साथ ही ट्रेन नंबर 15231 के बिरसिंहपुर स्टेशन में ठहराव. 18235-36 भोपाल बिलासपुर गाड़ी को इतवारी स्टेशन तक विस्तार. रीवा बिलासपुर ट्रेन का दुर्ग स्टेशन तक विस्तार. 2852 बिलासपुर चेन्नई एक्सप्रेस गाड़ी को अनूपपुर कोतमा होकर अंबिकापुर तक विस्तार। 22407 अंबिकापुर निजामुद्दीन ट्रेन में स्लीपर कोच लगाने और कोतमा स्टेशन में ठहराव. कटनी से उमरिया शहडोल अनूपपुर होकर मुंबई तक नई ट्रेन देने का आग्रह किया। इसके अलावा रीवा से ब्यौहारी, जयसिंहनगर, शहडोल, डिंडोरी होकर मंडला तक नई रेल लाइन स्वीकृत करके का माँग पत्र सौंपा।

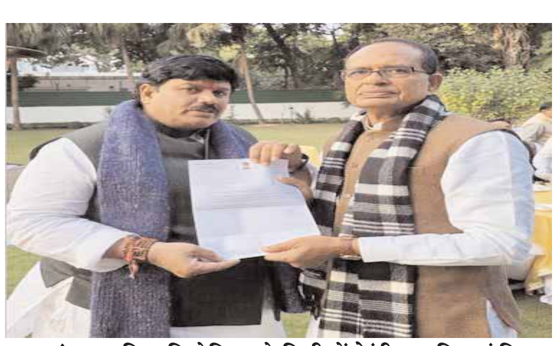

सांसद अनिल फिरोजिया ने दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाक़ात कर मध्य प्रदेश के किसानों को जो भावांतर राशि प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने किसानो को डाली है उसके लिए किसानो की तरफ़ से धन्यवाद प्रेषित किया एवं किसानों को कृषि बीमा शीघ्र से शीघ्र देने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। अतिवृष्टि के कारण सोयाबीन फसलों को हुए भारी नुकसान के बाद राज्य के लाखों किसानों को राहत पहुँचे इसी भावना से कृषि बीमा और सुलभ व प्रभावी बनाने का आग्रह किया। सांसद अनिल फिरोजिया ने रेल मंत्रालय म रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मंत्रीने सभी विषयों पर सकारात्मक रूप से विचार कर जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

भोपाल। लोक अदालत का शुभारंभ किया गया है। इसमें कई विभागों के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

भोपाल। राजधानी में अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सोशल मीडिया से

खाद्य, नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की 2 वर्ष की उपलब्धियां

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में 5 करोड़ 25 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 23 हजार करोड़ मूल्य का 66 लाख मैट्रिक टन निःशुल्क राशन वितरण। 5 वर्ष के बच्चों एवं 80 वर्ष से अधिक के वृद्ध एवं दिव्यांगों सहित 15 लाख हितग्राहियों को ई.केवायसी से छूट प्रदान की गई। पीडीएस के लगभग 35 लाख अपात्र, डुप्लीकेट एवं मृत हितग्राहियों के नाम सत्यापन के बाद पोर्टल से हटाये गये। प्रदेश में लगभग 14 लाख नये हितग्राहियों के नाम जोड़े गये और इन्हें पात्रता पर्ची जारी कर निःशुल्क राशन दिया जा रहा है। पिछले 2 वर्षो में खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं गैर-उज्ज्वला योजना के तहत बहनों को 911 करोड़ के अनुदान से 6 करोड़ 17 लाख गैस टंकियों की रिफिल कराई गई। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में घर-घर पाईप के माध्यम से गैस पहुंचाने के लिये शहरी गैस वितरण नेटवर्क का विकास एवं विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम के तहत राशन दुकान से हितग्राही को राशन देने की व्यवस्था को एसएमएस भेजकर पारदर्शी बनाया गया है। राशन दुकानों से बांटे जाने वाले राशन में पारदर्शिता लाने के लिये साल में 2 बार 26 जनवरी एवं 2 अक्टूबर को ग्राम सभा में हितग्राहियों की सूची पढ़ी जाती है। मुख्यमंत्री अन्नदूत योजना के वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाकर राज्य स्तरीय कंट्रोल कमांड सेंटर से इसकी निगरानी की जा रही है। विगत 2 वर्षो में लगभग 28 लाख किसानों से गेहूँ एवं धान की फसल समर्थन मूल्य पर बोनस देकर खरीदने में 51 हजार करोड़ रूपये का भुगतान किसानों को किया गया। मोटे अनाज को बढ़ावा देने सरकार द्वारा कोदो का 2500 रूपये प्रति क्विंटल और कुटकी का 3500 रूपये प्रति क्विंटल की दर से उपार्जन किया गया। किसानों को गेहूं उपार्जन प्रति क्विंटल 175 रूपये बोनस की सौगात और 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदी की गई।

पुलिस की कार्रवाई, दस दिनों में 15 हथियार बरामद, 10 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत पिछले दस दिनों में प्रदेश में उल्लेखनीय सफलताएँ हासिल की गई हैं। इस दौरान बड़वानी, सागर, इंदौर, शिवपुरी, छतरपुर और मुरैना जिलों में की गई कार्रवाईयों में कुल 15 अवैध हथियार (देशी पिस्टल, अधिया, कट्टे) बरामद किए गए हैं और 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

बड़वानी (जुलवानिया पुलिस): मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी सीताराम सिकलीगर को तीन देशी पिस्टल सहित गिरफ्तार किया। आरोपी के विरूद्ध आर्म्?स एक?ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

सागर: थाना सिविल लाइन पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक वाहन में अवैध हथियार ले जा रहे आरोपी को दबोचा। पुलिस ने मौके से 02 पिस्टल, 04 जिंदा राउंड, 02 चाकू और एक मारुति वैन जप्त की।

इंदौर (राऊ पुलिस की बड़ी सफलता): थाना राऊ पुलिस ने हरियाणा और दिल्ली के तीन अंतरराज्यीय बदमाशों को गिरफ्तार कर चार देशी पिस्टल व दो मैगजीन बरामद कीं।

शिवपुरी (थाना करैरा एवं गोवर्धन): थाना करैरा पुलिस ने एक आरोपी से 315 बोर देशी अधिया और एक कारतूस जप्त कर उसे गिरफ्तार किया। वहीं थाना गोवर्धन पुलिस ने भी अवैध हथियार रखने वाले आरोपी पर कार्रवाई करते हुए 315 बोर देशी कट्टा, दो जिंदा राउंड तथा एक मोटरसाइकिल जप्त की।

छतरपुर (बड़ामलहरा, सटई, गौरिहार पुलिस): जिले में तीन अलग-अलग स्थानों पर पुलिस ने गश्त के दौरान अवैध हथियारों के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। थाना बड़ामलहरा पुलिस ने देशी पिस्टल एवं कारतूस के साथ एक आरोपी, थाना सटई पुलिस ने 315 बोर देशी कट्टा और कारतूस के साथ एक आरोपी वहीं थाना गौरिहार पुलिस ने आदतन अपराधी उदयभान से हथियार बरामद किए। उदयभान हत्या के प्रयास, लूट व अवैध हथियार के 17 अपराधों में लिप्त पाया गया है।

मुरैना (थाना अंबाह): सोशल मीडिया पर अवैध हथियार प्रदर्शित करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर 32 बोर की पिस्टल, तीन मैगजीन और 18 राउंड बरामद किए गए। यह कार्रवाई डिजिटल मॉनिटरिंग और साइबर इंटेलिजेंस का बेहतरीन उदाहरण है।

गांधी मेडिकल कॉलेज में प्लेटिनम जुबली समारोह का आयोजन 20 दिसंबर से

भोपाल, सांध्यप्रकाश। गाँधी मेडिकल कॉलेज में दो दिवसीय प्लेटिनम जुबली समारोह का शुभारंभ 20 दिसंबर को किया जाएगा। यह जानकारी आयोजन समिति के पदाधिकारयों ने पत्रकारों को देते हुए बताया कि गांधी चिकित्सा महाविधालय भोपाल अपने 70 वर्ष पूर्ण कर रहा है, यह कॉलेज 1955 में प्रारंभ हुआ था और मात्र 30 विधार्थी एम.बी.बी.एस पाठ्यक्रम हेतु चयन किये गये थे उल्लेखनीय है कि प्रथम बैच के विधार्थी डॉ. एस.सी. जैन इसी कालेज से विभागाध्यक्ष मेडीसिन विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे और इस समय इंदौर में निवासरत है। इस वर्ष गांधी मेडिकल महाविधालय अर्थात 2025 में अपने 70 वर्ष पूर्णकर प्लेटिनम जुबली समारोह 20 और 21 दिसंबर को मनाने जा रहा है। इस कॉलेज से अभी तक लगभग 7000 चिकित्सक अपनी चिकित्सकीय योग्यता पूर्ण कर देश विदेश मेंकार्यरत् है। प्रथम बैच के स्वर्गीय डॉ. कक्कड द्वारा Low Molecular Weight Heparin (LMWH) अविष्कृत किया था जोकि आज देश दुनिया में हर्ट आटेक में मरीज की जान बचाने हेतु प्रथम दवा के रूप में उपयोग किया जाता है। डॉ. ए.आर. डल्ला को सिकल सेल डिसीज पर राष्टपति स्व. अब्दुल कलाम द्वारा पुरस्कृत किया गया था। डॉ. महाडिक, द्वारा आर.डी. गार्डी मेडिकल कालेज उज्जैन, डॉ अजय गोयनका द्वारा चिरायु मेडिकल कॉलेज स्थापित किया है। उल्लेनीय है ये सभी गाँधी मेडिकल कॉलेज के अलुमिनाई है। 20 दिसम्बर के इस दो दिवसीय रंगारंग क्रार्यक्रम में लगभग 1500 चिकित्सक शामिल होकर अपने साथियों से मुलाकात करेयें, मौज मस्ती सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अपनी पुरानी यादों को ताजा करेंगे। प्रथम दिवस 20.12.0025 को सुश्री मालिनी अवस्थी एवं सुगंधा मिश्रा सांस्कृति कार्यक्रम के विशेष आकर्षण होगें 20.12.2025 को ही सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथि एवं उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता एवं आलोक शर्मा के विशेषज्ञ अतिथि में उदघाटन समारोह सपन्न होगा। 20.12.2025 को फिल्म निर्माता, निदेशक मीर जाफरी एवं हास्य कलाकार सुनील पाल विशेष रूप से अपनी प्रस्तुति देगे सायं 7 से अलुमिनाई द्वारा लेक व्यू अशोका परिसर में रंगारंग कार्यकम आयोजित किया गया है। 21.12.2025 को प्रातः 11 बजे से 01 बजे तक अंतराष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं द्वारा सी एम ई को संबोधितकिया जावेगा। अकुमिनाई पिछले एक वर्ष से आर्गन डगेनेशन सिकल सेल डिसीज, थैलीसिमिया एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर कार्य कम आयोजित कर रहा है।

बिजली की मांग पहली बार 19000 मेगावॉट की शीर्ष पर पहुंची

भोपाल। मध्यप्रदेश के ऊर्जा सचिव व एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले ने आज शक्तिभवन में पावर मैनेजमेंट कंपनी के कन्ट्रोल रूम का सुबह 11 बजे जिस वक्त निरीक्षण कर रहे थे उसी समय मध्यप्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक बिजली की मांग 19113 मेगावाट दर्ज हुई। मध्यप्रदेश में बिजली की मांग पहली बार 19000 मेगावॉट की शीर्ष मांग पर पहुंची है। ऊर्जा सचिव ने कन्ट्रोल रूम में रियल टाइम में बिजली की मांग और उसकी शतप्रतिशत सप्लाई को मॉनीटर पर देखा। एमडी श्री गढ़पाले ने भविष्य में बिजली की मांग 20 हजार मेगावॉट तक पहुंचने की संभावना को देखते हुए निर्देश दिया कि बिजली की इस प्रकार शेड्यूलिंग की जाए जिससे कि ऐसी स्थि?ति?में प्रदेश में शतप्रतिशत बिजली की सप्लाई संभव हो। इस अवसर पर पावर मैनेजमेंट कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक पी.के. जैन व मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन व प्रशासन राजीव गुप्ता सहित अभियंता उपस्थित थे। एमडी श्री गढ़पाले ने कन्ट्रोल रूम की कार्यप्रणाली का गहन निरीक्षण करते हुए प्रत्येक बिन्दु का विश्लेषण किया। उन्होंने मेरिट आर्डर सिद्धांत के आधार पर किस प्रकार बिजली की शेड्यूलिंग की जाती है उसे प्रत्यक्ष तौर पर देखा।

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय बैरागढ़ 3 ई एम ई सेंटर में बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी आयोजित

भोपाल, सांध्यप्रकाश। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बैरागढ़ 3 ई एम ई सेंटर भोपाल में क्षेत्रीय स्तर राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए स्टेम था 7 प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य श्रीमान मनीष तुली द्वारा किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, साथ ही इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा प्रयोगात्मक अधिगम को बढ़ावा देना बताया7 इस प्रदर्शनी मे 71 केन्द्रीय विद्यालयों से आए 106 प्रतिभागियों, अनुरक्षक व शिक्षकों ने भाग लिया एवं 12 आमंत्रित विशेषज्ञों ने प्रदर्शनी का मूल्यांकन किया 7 इस प्रदर्शनी मे 61 मॉडल और प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए गए। प्रमुख परियोजनाओं में– सौर ऊर्जा से चलने वाला घर,जल संरक्षण मॉडल, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली,इलेक्ट्रिक सर्किट, हरित ऊर्जा पर आधारित प्रयोग पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मॉडल आदि शामिल थे। आमंत्रित विशेषज्ञों ने मॉडलों का मूल्यांकन किया। सर्वश्रेष्ठ मॉडलों को पुरस्कार प्रदान किए गए साथ ही विजेताओं को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी भी दी गई। इस आयोजन मे संभागीय उपायुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन भोपाल शाहिदा परवीन का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ7 कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के विज्ञान शिक्षकों सुमेरा कुरैशी, श्रृद्धा सिन्हा, एस के दुबे, बी.के अनुरागी, हसीन अहमद एवं अन्य शिक्षकों का सहयोग प्राप्त हुआ।

सांसद अनिल फिरोजिया ने NHAI के अध्यक्ष श्रसंतोष कुमार यादव से मुलाक़ात कर उज्जैन में लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना तथा इलेक्ट्रिक केबल कार सेवा प्रारंभ करने हेतु आग्रह किया। अध्यक्ष ने दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है। उज्जैन के भविष्य को गति देने वाली इन पहलों से क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

संपादकीय

चैंपियंस ऑफ द अर्थ

सरकार में बैठकर भी आप ऐसी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं, जिसे पूरी दुनिया में सम्मान मिले। आईएएस सुप्रिया साहू ने यह साबित कर दिया है, उन्होंने पूरे विश्व में अपने और भारत के नाम का परचम फहरा दिया है। वास्तव में भारत के लिए यह बड़े गर्व का पल है जब साहू को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानि यूएन एनवायरमेंट प्रोग्राम के चैंपियंस ऑफ द अर्थ पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा पर्यावरण सम्मान है। यह उनके अनोखे काम, समर्पण और प्रकृति के प्रति लगन को दिखाता है। इस पुरस्कार को पाना न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि भारत के लिए भी एक खास पहचान का मौका है।

चैंपियंस ऑफ द अर्थ पुरस्कार अपने 20वें साल में है और दुनिया भर में उन लोगों को सम्मानित करता है जो धरती और मानवता के लिए जरूरी योगदान देते हैं। सुप्रिया साहू अब उन खास पर्यावरण नेताओं की श्रेणी में शामिल हो गई हैं जो दुनिया को एक बेहतर भविष्य की ओर ले जा रहे हैं।

असल में आज जब पूरी दुनिया में तापमान तेजी से बढ़ रहा है और पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, ऐसे समय में सुप्रिया साहू का काम प्रेरणा का स्रोत बनकर उभर रहा है। उनके प्रयासों ने न सिर्फ जंगलों को बचाया बल्कि लोगों के लिए नए ग्रीन जॉब भी बनाए और कई समुदायों को क्लाइमेट चेंज यानि जलवायु परिवर्तन से लड़ने की ताकत दी।

सुप्रिया साहू, 27 जुलाई 1968 को जन्मी, 1991 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में तमिलनाडु सरकार में पर्यावरण, क्लाइमेट चेंज और वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। बचपन से प्रकृति के प्रति उनकी रुचि उन्हें इस राह पर लेकर आई। 30 सालों की सेवा में उन्होंने स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे कई जरूरी जगहों पर नेतृत्व की भूमिका निभाई।

नीलगिरी क्षेत्र में उन्होंने ऑपरेशन ब्लू माउंटेन जैसे बड़े पर्यावरण अभियान चलाए। जिसमें नीलगिरी के पहाड़ों पर सिंगल यूज प्लास्टिक हटाने और पहाड़ी प्रणालियों को सुधारने पर जोर दिया गया। उनके मार्गदर्शन में 42 हजार से अधिक पेड़ लगाए गए, यह गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि उनके काम से लाखों ग्रीन जॉब्स पैदा हुए हैं। राज्य को विज्ञान-आधारित और समुदाय की जरूरतों पर आधारित जलवायु सुरक्षा का एक मॉडल बना दिया है। तमिलनाडु में उन्होंने बड़े स्तर पर पेड़ लगाए, नए रिजर्व फॉरेस्ट बनाए, वेटलैंड्स को दोबारा जिंदा किया और संकटग्रस्त प्रजातियों के कन्जर्वेशन के लिए फंड शुरू किए।

जलवायु परिवर्तन से लड़ने में उनके प्रयासों को खास तारीफें मिली हैं। तमिलनाडु का कूल रूफ प्रोजेक्ट उनके नेतृत्व में शुरू हुआ। जिसमें स्कूलों और आवासों में ऐसी छतें बनाई गईं जो गर्मी को कम करती हैं। इस मॉडल को अब दुनिया में सस्टेनेबल कूलिंग का एक बढ़िया उदाहरण माना जा रहा है। साथ ही, इस मॉडल को 200 ग्रीन स्कूलों में लागू भी किया जा रहा है। उनका लक्ष्य ईकोसिस्टम को मजबूत बनाना और समुदायों को सुरक्षित रखना है।

सुप्रिया साहू का कहना है कि उन्हें प्रेरणा गांव के लोगों, बच्चों और प्रकृति से मिलती है। उनका कहना है कि बदलाव तभी आएगा जब समुदाय, वैज्ञानिक सोच और प्रकृति सब मिलकर काम करेंगे। वास्तव में यह केवल सरकार का काम नहीं है, हम सब का है। लेकिन यदि सरकार में बैठे लोग पहल करते हैं, तो उसका प्रभाव कुछ और ही पड़ता है। ऐसे कामों को पहचान जल्दी मिलती है और समाज में भी परिवर्तन आ सकता है। सामूहिक चेतना ही हमें जलवायु परिवर्तन से मुकाबला और पर्यावरण संरक्षण की ओर अग्रसर कर सकती है।

कविता

प्यार की उधारी!

बोधिसत्व

तुमने कहा था
अनेक आधे अधूरे देवताओं
और अपूर्ण लोगों से
पूर्ण होता है संसार।

कहाँ हो आभा
कितना बढ़ गया है तुम्हारा प्यार
मुझ पर उधार!

कवि बोधिसत्व भारतभूषण अग्रवाल पुरस्कार, गिरिजाकुमार माथुर, फिराक, केदार, शमशेर और हेमंत स्मृति सम्मान से सम्मानित हैं।सिर्फ कवि नहीं, हम जो नदियों का संगम हैं, दुखतंत्र, ख़त्म नहीं होती बात और महाभारत यथार्थ कथा कृतियां प्रकाशित हैं।

13 दिसंबर का इतिहास: वो दिन जब आतंकवाद ने देश को झकझोर डाला

कौशिकी

13 दिसंबर भारतीय संसद पर आतंकवादियों के हमले का दिन है। इस हमले ने लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा की अहमियत को उजागर किया। आतंकवाद के खिलाफ भारत ने मजबूत कदम उठाने का संकल्प लिया। यह घटना भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गई।

13 दिसंबर की तारीख भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में याद की जाती है। यह दिन भारतीय संसद भवन पर आतंकवादियों के हमले का था। संसद पर हमला सिर्फ एक इमारत पर नहीं था, बल्कि हमारे लोकतंत्र पर हमला था। आतंकवादियों ने लोकतंत्र के मंदिर को निशाना (इंडियन पार्लियामेंट अटैक) बनाया। यह हमला भारत की संप्रभुता और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ था। इस घटना ने देश को एकजुट किया और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की अहमियत को समझाया। इस दिन ने भारत को आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ संकल्प लेने की प्रेरणा दी।

लोकतंत्र के मंदिर पर हमला: 13 दिसंबर 2001

दिसंबर 2001 में देश में कड़ाके की ठंड पड़ी थी। 13 दिसंबर की सुबह करीब 11:20 बजे संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा था। विपक्ष के हंगामे के कारण कार्यवाही स्थगित हो चुकी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सदन से बाहर निकल चुके थे।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी भी सदन से जा चुकी थीं। लेकिन गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी और कई अन्य नेता अभी भी अंदर थे।

यमदूत बनकर आई वो सफेद कार

सुरक्षा बहुत कड़ी थी, तभी एक सफेद एंबेसडर कार संसद भवन की ओर बढ़ी। उस पर गृह मंत्रालय का जाली स्टिकर लगा था, जिससे यह सरकारी वाहन लग रहा था। सुरक्षाकर्मियों ने कार की तेज रफ्तार और असामान्य हरकतें देख कर शक किया।

संसद के वॉच एंड वार्ड स्टाफ ने कार को तुरंत रोकने की कोशिश की। हड़बड़ी में, आतंकवादियों की कार उपराष्ट्रपति कृष्णकांत के काफिले से टकरा गई। जैसे ही भेद खुला, कार में बैठे आतंकवादियों ने गोलियां चलानी शुरू कर दीं।

पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और लोग घबराए हुए थे। आतंकवादियों के गोलियों से संसद भवन में दहशत फैल गई। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की और स्थिति को नियंत्रण में किया।

देश के वीर सपूतों की शहादत

आतंकियों का मुख्य उद्देश्य साफ था: वे देश के बड़े नेताओं को बंधक बनाना चाहते थे। लेकिन भारत के जांबाज सुरक्षाकर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना मोर्चा संभाल लिया।

वीरांगना कमलेश कुमारी की कुर्बानी

कांस्टेबल कमलेश कुमारी उस दिन गेट नंबर 11 पर तैनात थीं। आतंकियों को देखकर उन्होंने तुरंत खतरे को भांप लिया। उन्होंने वॉकी-टॉकी से सभी सुरक्षाकर्मियों को अलर्ट किया। आतंकियों ने उन्हें अलर्ट करते देख लिया और गोलियां चलानी शुरू कर दी। पहली गोली कमलेश कुमारी ने खाई, और शहादत दे दी।

लेकिन उनकी तेज सोच और कार्रवाई के कारण संसद के दरवाजे समय पर बंद हो पाए। इसके कारण आतंकियों का बड़ा हमला विफल हो गया। उनकी बहादुरी को देश हमेशा याद रखेगा।

45 मिनट की कठिन जंग

संसद परिसर में करीब 45 मिनट तक एक जबरदस्त मुठभेड़ हुई। दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और संसद सुरक्षा गार्डों ने आतंकियों से लड़ा। उपराष्ट्रपति के सुरक्षा गार्डों ने भी अहम भूमिका निभाई। एक आतंकी ने खुद को बम से उड़ा लिया। बाकी चार आतंकियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। दोपहर करीब 12:30 बजे गोलियों की आवाजें बंद हुईं। ऑपरेशन सफल रहा और खतरा टल गया।

देश ने खोए 9 अनमोल रत्न

इस कायराना हमले में 9 बहादुर लोग शहीद हुए। इनमें दिल्ली पुलिस के 5 जवान थे। एक महिला कांस्टेबल कमलेश कुमारी भी शहीद हुईं। संसद सुरक्षा सेवा के 2 गार्ड भी हमले (आज के दिन की कहानी) में मारे गए। इसके अलावा, एक माली भी शहीद हुआ। एएनआई के कैमरामैन विक्रम बिष्ट भी घायल हुए। बाद में विक्रम बिष्ट का दुखद निधन हो गया। इन सभी शहीदों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी जान दी। उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जाएगा।

साजिश का पर्दाफाश और न्याय की जीत

हमले के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (आज की यादगार घटनाएं) ने जांच शुरू की। जल्द ही यह साबित हो गया कि इस हमले के पीछे पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद का हाथ था।

मुख्य साजिशकर्ता: हमले की साजिश रचने वाला मुख्य मास्टरमाइंड अफजल गुरु था।

गिरफ्तारियां: सबूतों के आधार पर अफजल गुरु, शौकत हुसैन, एसएआर गिलानी और नवजोत संधू को गिरफ्तार किया गया।

यह हमला अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का एक बड़ा प्रमाण बन गया।

ऑपरेशन पराक्रम और भारत का संकल्प

इस हमले के जवाब में, भारत ने ऑपरेशन पराक्रम शुरू किया। इसका उद्देश्य पाकिस्तान को कड़ा संदेश देना था। भारतीय सेना की भारी टुकड़ियों को सीमा पर तैनात किया गया। इससे भारत-पाकिस्तान (आज का इतिहास) के बीच तनाव काफी बढ़ गया। इस ऑपरेशन से भारत ने दुनिया को यह संदेश दिया कि वह आतंकवाद को सहन नहीं करेगा। भारत अपनी सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने से नहीं हिचकेगा। यह कदम भारत के संकल्प को दर्शाता है।

इंसाफ की राह

कानूनी लड़ाई लंबी चली। सुप्रीम कोर्ट ने अफजल गुरु को दोषी ठहराया। उसे हमले की साजिश का मुख्य जिम्मेदार माना गया। कोर्ट ने उसे फांसी की सजा दी। लंबे कानूनी प्रक्रियाओं के बाद, अफजल गुरु को फांसी मिली। यह फांसी 9 फरवरी 2013 को सुबह 8 बजे तिहाड़ जेल में दी गई। इस फैसले से शहीदों (आज की तारीख का इतिहास) को न्याय मिला। यह फैसला देश के कानून की ताकत को साबित करता है।

क्या है: यह 18 दिसंबर 2001 का आधिकारिक दस्तावेज है, जब तत्कालीन गृह मंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी ने लोकसभा में हमले की पूरी रिपोर्ट पेश की थी। इसमें गाड़ी का नंबर, समय और आतंकियों के घुसने की पूरी डिटेल है।

क्या है: हमले के तुरंत बाद भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने दुनिया को पाकिस्तान की साजिश के बारे में बताने के लिए जो ब्रीफिंग दी थी। इसमें %ऑपरेशन पराक्रम% और कूटनीतिक कदमों की जानकारी है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला (Legal Proof)

क्या है: यह State (N.C.T. Of Delhi) vs Navjot Sandhu केस का जजमेंट है। इसी फैसले में अफजल गुरु की फांसी और पूरी साजिश का कानूनी कच्चा-चिट्ठा मौजूद है।

प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो भारत सरकार

क्या है: हर साल शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए सरकार जो आधिकारिक विज्ञप्ति जारी करती है, जिसमें शहीदों के नाम और घटनाक्रम का जिक्र होता है।

13 दिसम्बर की महत्वपूर्ण घटनाएं विश्व में

1545-ट्रेंट की बिशपिक ऑफ ट्रेंट (अब आधुनिक इटली में) में पोप पॉल द्वारा प्रोटेस्टेंटिज्म के विकास के जवाब में एक पारिस्थितिक परिषद की शुरुआत की गई।

1577-सर फ्रांसिस ड्रेक ने पांच जहाजों और 164 पुरुषों के साथ इंग्लैंड के प्लायमाउथ से अपने दौर की विश्व यात्रा शुरू की।

1636 -मैसाचुसेट्स बे कॉलोनी ने तीन मिलिशिया इकाइयों का आयोजन किया, जिसे यूनाइटेड स्टेट्स के नेशनल गार्ड की स्थापना माना जाता है।

1643 पहले अंग्रेजी नागरिक युद्ध के दौरान, सर विलियम वालर के अधीन काम करने वाले संसदीय बलों ने रॉयलिस्ट सेना पर सफल हमला किया।

1734- ब्रिटेन और रूस ने एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए।

1754- उस्मान तृतीय ने महमूद प्रथम को तुर्क साम्राज्य का राजा बनाया।

1758 - फ्रांस से एकेडियन को कनाडा ले जाते समय, ड्यूक विलियम ने उत्तरी अटलांटिक में 360 से अधिक लोगों की जान गंवाई, जो कनाडा की सबसे बड़ी समुद्री आपदाओं में से एक मानी जाती है।

1774 अमेरिकी क्रांति की पहली घटना न्यू हैम्पशायर में एफटी विलियम और मैरी पर 400 हमलों के साथ हुई।

1920 - नीदरलैंड के हेग में लीग ऑफ नेशंस का अंतरराष्ट्रीय न्यायालय स्थापित हुआ।

1981 - पोलिश प्रधान मंत्री वोज्शिएक जारुज़ेल्स्की ने मार्शल लॉ घोषित किया, एकजुटता को निलंबित कर दिया और कई यूनियन नेताओं को कैद कर लिया।

13 दिसम्बर की महत्वपूर्ण घटनाएं भारत में

1955 - भारत के वर्तमान रक्षा मंत्री और गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर का जन्म हुआ।

2000 - भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विजय सैमुअल हजारे को कैस्ट्रॉल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिलने वाला पहला व्यक्ति बनने का सम्मान प्राप्त हुआ।

2001 - भारत की संसद पर आतंकवादी हमले के बाद दुनिया भर में हड़कंप मच गया। सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर पांच आतंकवादियों ने संसद भवन पर हमला किया, जिसमें 15 लोग मारे गए, जिनमें सभी आतंकवादी भी शामिल थे।

2001- भारतीय संसद पर हुए हमले में पांच बंदूकधारी आतंकवादियों ने संसद परिसर में घुसकर हमला किया, जिससे 12 लोगों की मौत हो गई, जिसमें अपराधी भी शामिल थे।

फायलेरिया दिवस: सार्वजनिक स्वास्थ्य, योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के समन्वय से रोगमुक्त भारत की ओर

फायलेरिया जैसे रोग केवल दवाओं से नहीं, बल्कि स्वच्छता, योग, प्राणायाम, आयुर्वेद और सकारात्मक जीवनशैली से नियंत्रित होते हैं जब समाज जागरुक होता है, तभी सार्वजनिक स्वास्थ्य सशक्त बनता है

महेश अग्रवाल

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य केवल चिकित्सा व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, जीवनशैली, स्वच्छता, पर्यावरण, संस्कार और आत्मबोध से जुड़ा हुआ विषय है। अनेक संक्रामक रोग आज भी हमारे समाज के कमजोर वर्गों को प्रभावित करते हैं। इन्हीं रोगों में एक अत्यंत कष्टदायक और सामाजिक - मानसिक रूप से पीड़ादायक रोग है - फायलेरिया, जिसे आम भाषा में हाथीपाँव कहा जाता है।

फायलेरिया दिवस इसी उद्देश्य से मनाया जाता है कि समाज में इस रोग के प्रति जागरूकता फैलाई जाए, इसके कारणों, लक्षणों, रोकथाम और उपचार को समझाया जाए तथा रोगियों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना विकसित की जाए।

यह दिवस केवल एक रोग-विशेष तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें स्वस्थ जीवनशैली, योग, आयुर्वेद, प्राणायाम, स्वच्छता और आध्यात्मिक चेतना की ओर लौटने का संदेश देता है।

फायलेरिया (हाथीपाँव) :एक परिचय फायलेरिया एक परजीवी जनित संक्रामक रोग है, जो मुख्यतः मच्छरों के माध्यम से फैलता है। यह रोग लसीका तंत्र (लिम्फाटिक सिस्टम) को प्रभावित करता है, जिसके कारण शरीर के अंगों - विशेषकर पैर, हाथ, अंडकोष या स्तनों में अत्यधिक सूजन आ जाती है।

भारत में फायलेरिया की स्थिति - भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी है जहाँ फायलेरिया का बोझ अधिक है। ग्रामीण, आदिवासी एवं शहरी झुग्गी बस्तियों में इसका प्रकोप अधिक पाया जाता है। यह रोग केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और आर्थिक पीड़ा भी देता है।

फायलेरिया - केवल शारीरिक रोग नहीं, सामाजिक पीड़ा

फायलेरिया से पीड़ित व्यक्ति को चलने-फिरने में कठिनाई, कार्यक्षमता में कमी, सामाजिक उपेक्षा, आत्मविश्वास की हानि, मानसिक तनाव और अवसाद का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि इस रोग से लड़ने के लिए केवल दवाइयाँ पर्याप्त नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण आवश्यक है। सार्वजनिक स्वास्थ्य में जागरूकता का महत्व - फायलेरिया दिवस हमें यह सिखाता है कि - रोग से पहले रोकथाम सबसे बड़ा उपचार है। स्वच्छता, साफ-सफाई, जल निकासी और मच्छर नियंत्रण अनिवार्य हैं। सामूहिक भागीदारी से ही रोग उन्मूलन संभव है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम तभी सफल होंगे जब समाज जागरूक और सहयोगी बने।

योग - फायलेरिया जैसे रोगों में सहायक जीवनशैली योग केवल आसन नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा का विज्ञान है। फायलेरिया जैसे रोगों में योग - लसीका प्रवाह को सक्रिय करता है। सूजन कम करने में सहायक होता है।प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। मानसिक तनाव को कम करता है।योग की भूमिका तीन स्तरों पर रोकथाम, सहायक उपचार , मानसिक - आध्यात्मिक संतुलन।

फायलेरिया में लाभकारी योगासन पवनमुक्तासन - शरीर में संचित अपशिष्ट बाहर निकालने में सहायक, लसीका प्रवाह को सक्रिय करता है। ताड़ासन - पैरों की मांसपेशियों को सक्रिय करता है, रक्त व लसीका संचार में सुधार। विपरीतकरणी मुद्रा - पैरों की सूजन कम करने में सहायक, शिराओं व लसीका नलिकाओं को राहत। पादहस्तासन - रक्त संचार में सुधार, निचले अंगों की जकड़न में कमी। नोट - फायलेरिया रोगी योग अभ्यास चिकित्सकीय परामर्श और प्रशिक्षित योग गुरु के मार्गदर्शन में करें।

प्राणायाम - रोग प्रतिरोधक शक्ति का आधार प्राणायाम शरीर में प्राणशक्ति का संचार करता है। फायलेरिया जैसे दीर्घकालिक रोगों में यह अत्यंत उपयोगी है। उपयोगी प्राणायाम अनुलोम - विलोम - शुद्ध रक्त संचार, प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत। भ्रामरी - मानसिक तनाव व अवसाद में राहत, स्नायु तंत्र को शांत करता है। दीर्घ श्वसन - ऑक्सीजन आपूर्ति में वृद्धि, ऊतकों के पोषण में सहायता।

आयुर्वेद - जड़ से उपचार की दृष्टि आयुर्वेद फायलेरिया को कफ-वात दोष विकार के रूप में देखता है। आयुर्वेद का उद्देश्य केवल लक्षणों को दबाना नहीं, बल्कि दोष संतुलन द्वारा शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को जागृत करना है। आयुर्वेदिक सिद्धांत - अग्नि सुधार, आम (टॉक्सिंस) का निष्कासन, लसीका शोधन। कुछ सहायक आयुर्वेदिक उपाय - त्रिफला, गुग्गुलु, नीम, हरिद्रा (हल्दी) (इनका प्रयोग वैद्यकीय परामर्श से ही करें) पैर या टाँगों में बिना दर्द सूजन व माँस वृद्धि -हाथी पाँव। नीम के पत्ते 10 तुलसी के पत्ते मिलाकर नित्य प्रातः खाते रहने से हाथी पांव ठीक हो जाता है।

अध्यात्म - रोग से लड़ने की आंतरिक शक्ति भारतीय दर्शन मानता है कि - रोग केवल शरीर में नहीं, चेतना में भी उत्पन्न होता है। फायलेरिया जैसे रोग व्यक्ति को भीतर से तोड़ सकते हैं। ऐसे में अध्यात्म - स्वीकार की शक्ति देता है, आशा और धैर्य बढ़ाता है, आत्मबल जागृत करता है। अध्यात्मिक साधनाएँ - ध्यान, मंत्र जप, सकारात्मक संकल्प, सेवा भावना।

स्वच्छता और पर्यावरण - रोग नियंत्रण की पहली सीढ़ी घर- आसपास जल जमाव न होने दें, मच्छरदानी का उपयोग, साफ-सुथरा वातावरण, सामूहिक सफाई अभियान, स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिक धर्म है। सामाजिक संवेदनशीलता - रोगी भी सम्मान के अधिकारी। फायलेरिया पीड़ित व्यक्ति दया नहीं, सम्मान चाहता है। उपेक्षा नहीं, सहयोग चाहता है। योग और अध्यात्म हमें करुणा, सेवा और समता का भाव सिखाते हैं।

फायलेरिया उन्मूलन - सामूहिक संकल्प फायलेरिया दिवस हमें यह याद दिलाता है कि - स्वस्थ भारत का सपना, योगमय जीवनशैली, आयुर्वेदिक सोच, अध्यात्मिक चेतना, इन सबके समन्वय से ही साकार होगा।

फायलेरिया दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, जागरूकता और करुणा का संदेश है। जब योग, प्राणायाम, आयुर्वेद, स्वच्छता और अध्यात्म एक साथ चलते हैं, तब रोग केवल शरीर से नहीं, चेतना से भी विदा होता है। स्वस्थ शरीर, शांत मन और जागृत आत्मा - यही रोगमुक्त भारत की सच्ची पहचान है।

पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों की चिन्ताजनक तस्वीर

ललित गर्ग

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात पर उठती चिंताएँ कोई नई बात नहीं हैं, पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों पर किस कदर अत्याचार हो रहे हैं और यह समस्या दिन-ब-दिन गहरी होती गयी है। लेकिन हाल ही के आधिकारिक आँक?ों ने एक बार फिर इस सच्चाई को निर्मम रूप से सामने ला दिया है कि वहाँ रहने वाले हिंदू और सिख किस हद तक उत्पी?न और भय के माहौल में जी रहे हैं। पाकिस्तान की संसदीय अल्पसंख्यक समिति ने स्वयं स्वीकार किया है कि वर्ष 1947 में वहाँ 1817 हिंदू मंदिर और गुरुद्वारे विद्यमान थे, लेकिन आज इनकी संख्या सिमटकर मात्र 37 रह गई है। यानी 1285 हिंदू मंदिर और 532 गुरुद्वारों का या तो अस्तित्व मिटा दिया गया, या उन पर जबरन कब्जा कर लिया गया, अथवा उन्हें जानबूझकर खंडहर में बदल दिया गया। यह आँक?ा सिर्फ किसी धार्मिक स्थल का नहीं, बल्कि एक सभ्यता, एक संस्कृति और एक समुदाय के आत्मसम्मान व अस्तित्व की धीमी हत्या का प्रमाण है। यह पाक की अमानवीयता एवं संकीर्ण साम्प्रदायिक सोच का त्रासद सोच का प्रमाण है।

आधुनिक संसार में किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसके आर्थिक विकास, सैन्य ताकत या राजनीतिक स्थिरता से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों-विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है, लेकिन पाक में यही बुनियाद डांवाडोल होती दिखाई देती है। मंदिरों और गुरुद्वारों को ध्वस्त करना, उन्हें खंडहर होने के लिए छो? देना, या बहुसंख्यकों द्वारा उन पर कब्जा कर लेना महज भौतिक आक्रमण नहीं, बल्कि भारतीय मूल के समुदायों की संस्कृति, उनकी स्मृतियों और उनकी पहचान पर गहरा प्रहार है। यह भारतीयों के प्रति और विशेषतः हिन्दुओं के प्रति पाक के विकृत एवं संकीर्ण दृष्टिकोण का द्योतक भी है। जब एक समुदाय अपने आराधना-स्थलों से वंचित किया जाता है, तो उसका सामाजिक मनोबल टूटता है, सुरक्षा-बोध क्षीण होता है और उनमें विस्थापन की भावना गहरी पैठ बना लेती है। यही कारण है कि पाकिस्तान बनने के समय वहाँ लगभग 15 प्रतिशत हिंदू-सिख आबादी थी, जो आज घटकर 1.6 प्रतिशत से भी कम रह गई है। जबकि भारत में मुस्लिमों की आबादी करीब 2 प्रतिशत से आज 23-24 प्रतिशत हो गयी है।

धार्मिक कट्टरता और असहिष्णुता की इस प्रवृत्ति ने पाक को न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया है, बल्कि उसकी आंतरिक सामाजिक संरचना को भी खोखला कर दिया है। प्रश्न यह नहीं कि मंदिर गिराए गए या गुरुद्वारों पर कब्जा हुआ, बल्कि यह कि ऐसा करने की मानसिकता क्यों पनपती रही और राज्य की संस्थाएँ इस विनाश को रोकने में क्यों असमर्थ या अनिच्छुक बनी रहीं? जिस समय विश्व के अनेक मुस्लिम देश धर्मनिरपेक्षता और सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की ओर ब? रहे हैं, पाकिस्तान लगातार अपने भीतर कट्टरता, कटुता और धार्मिक बहिष्कार की आग को पोषित करता रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में भव्य स्वामीनारायण मंदिर से लेकर सऊदी अरब में भारतीय कर्मचारियों के लिए पूजा स्थल की व्यवस्था तक-यह उदाहरण बताते हैं कि इस्लामिक देशों में भी आधुनिकता और धार्मिक सहिष्णुता का समन्वय संभव है। ओमान, बहरीन, कुवैत, कतर और इंडोनेशिया जैसे देशों में मंदिरों और अन्य अल्पसंख्यक धार्मिक स्थलों का संरक्षण न केवल वहाँ के उदार वातावरण को दर्शाता है, बल्कि यह भी कि वे समझते हैं कि विविधता ही प्रगति का असली आधार है। इंडोनेशिया में सैक?ों हिंदू-बौद्ध मंदिर संरक्षित हैं। यही कारण है कि हिंदू प्रोफेशनल्स और भारतीय पर्यटक इन देशों की अर्थव्यवस्था की री? बने हुए हैं। इसके ठीक विपरीत पाकिस्तान की उल्टी सोच ने उसे बर्बाद कर दिया है।

इसके उलट पाकिस्तान की सोच न केवल प्रतिगामी है, बल्कि आत्मविनाश की ओर ले जाने वाली भी है। धार्मिक स्थलों का विनाश केवल अतीत का मामला नहीं; आज भी कई स्थानों पर हिंदू और सिख परिवार सामाजिक दबाव, जबरन धर्मांतरण, अपहरण और उत्पी?न जैसी समस्याओं से जूझते रहते हैं। मंदिरों पर हमला सिर्फ पत्थरों की दीवारें गिराने भर की घटना नहीं, यह उन लोगों की आस्था और अस्तित्व पर चोट है जो पी?ियों से इस भूमि का हिस्सा रहे हैं। ये वे लोग हैं, जिन्होंने विभाजन के घावों के बावजूद अपनी मिट्टी, अपनी स्मृतियों और अपने इतिहास से नाता नहीं तो?ा, परंतु बदले में उन्हें जो मिला वह भय, अपमान और अविश्वास का माहौल है। पाकिस्तान की समस्या सिर्फ कट्टरपंथ की नहीं, बल्कि उस संरचनात्मक असमानता की भी है जिसे राज्य ने वर्षों तक प्रश्रय दिया है। यदि शासन-व्यवस्था अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों की रक्षा नहीं कर सकती, यदि पुलिस और प्रशासन अत्याचारों पर कार्रवाई नहीं करते, यदि न्यायपालिका पी?ितों की सुनवाई नहीं करती, तो स्पष्ट है कि राष्ट्र अपनी आत्मा खो चुका है। दुनिया के किसी भी देश की प्रगति का मापक यह नहीं कि उसकी जीडीपी कितनी है, बल्कि यह कि उसके सबसे कमजोर नागरिक कितने सुरक्षित हैं। आज पाकिस्तान की छवि एक ऐसे राष्ट्र की बन चुकी है, जहाँ अल्पसंख्यकों के जीवन, आस्था और अस्तित्व को निरंतर खतरा है।

पाकिस्तान की सरकारें वर्षों से जिस कट्टरवादी सोच और भारत-विरोधी न?रिए को अपना आधार बनाती रही हैं, वह न केवल विश्व समुदाय में उसकी छवि को गिरा रहा है, बल्कि स्वयं पाकिस्तान को भी विनाश के कगार पर पहुँचा चुका है। आतंकवाद को रणनीतिक औजार बनाकर और सैन्य खर्चों को अनियंत्रित रूप से ब?ाकर उसने अपने ही देश की आर्थिक री? तो? दी है। दुनिया जब भारत की धरती से गूंजे ÷वसुधैव कुटुम्बकम्÷ के मंत्र को अपनाकर सहयोग, शांति तथा वैश्विक भाईचारे की दिशा में आगे ब? रही है, तब पाकिस्तान कट्टरवाद की राजनीति को सहारा देकर मानवता को विभाजित करने में जुटा हुआ है। भारत के प्रति उसकी शत्रुतापूर्ण मानसिकता, सीमापार आतंकवाद का समर्थन और विश्व बिरादरी में हानिकारक कदम आज विश्व शांति के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसी नासमझ नीतियों ने पाकिस्तान को विकास, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय विश्वास-तीनों से वंचित कर दिया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

मनरेगा का नाम अब पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना, कैबिनेट की बैठक में लगी मुहर, श्रमिकों को होगा अधिक फायदा

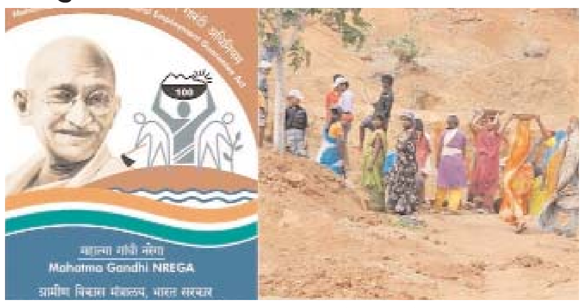

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में ग्रामीण रोजगार से जुड़ा बड़ा फैसला लेते हुए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना कर दिया है। इसके साथ ही योजना में दो अहम बदलाव किए गए हैं रोजगार के गारंटीकृत दिनों की संख्या बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है और न्यूनतम मजदूरी 240 रुपये प्रतिदिन तय की गई है। मनरेगा, जिसे पहले एनआरईजीए के नाम से जाना जाता था, 2005 में ग्रामीण आजीविका सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। यह योजना देश की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से एक रही है, जिसका लक्ष्य ग्रामीण परिवारों को अकुशल श्रम के बदले न्यूनतम 100 दिनों का रोजगार प्रदान करना था। सड़क निर्माण, जल संरक्षण, तालाब निर्माण, बागवानी और सामुदायिक विकास जैसे श्रमप्रधान कार्य इसके प्रमुख हिस्से रहे हैं। सरकार का मानना है कि नए नाम और संशोधित प्रावधानों के साथ योजना अधिक प्रभावी होगी और ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। 125 दिनों के रोजगार और बढ़ी हुई मजदूरी से ग्रामीण मजदूरों की आय में सीधा लाभ पहुंचेगा। यह बदलाव सरकार के उस प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और बेरोजगारी को कम करना शामिल है।

रॉयल कॉलेज में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

रतलाम, सांध्य प्रकाश। 7 अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा %रॉयल इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एडवांस्ड स्टडीज%, रतलाम में ग्राहक जागरण का एक प्रभावी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की राष्ट्रीय सह सचिव नेहा जोशी ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को ग्राहकों के अधिकारों और उनकी शक्तियों से प्रभावी रूप से परिचित करवाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ हुआ। तत्पश्चात, मंच पर उपस्थित अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के मालवा प्रांत उपाध्यक्ष अनुराग लोखंडे ने संगठन का परिचय दिया और महाविद्यालय में %कंज्यूमर क्लब% के अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। श्री लोखंडे ने रतलाम जिले व मालवांचल में विगत वर्षों में संस्था द्वारा ग्राहक हित में अर्जित की गई उपलब्धियों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। अपने मुख्य उद्बोधन में नेहा जोशी ने बताया कि अपने स्थापना वर्ष 1974 से ही ग्राहक पंचायत सशक्त रूप से ग्राहकों की आवाज उठाती आ रही है। उन्होंने जानकारी दी कि देश में %ग्राहक संरक्षण कानून% सर्वप्रथम 1986 में बनाया गया था, जिसे 2019 में और अधिक सशक्त किया गया। यह केंद्र सरकार द्वारा ग्राहक पंचायत की मांग पर ही संभव हुआ है, जिसके फलस्वरूप आज भ्रामक विज्ञापनों पर कानूनी कार्रवाई आसान हो गई है। उन्होंने बताया कि ग्राहक पंचायत के प्रयासों से ही सरकार द्वारा ऑनलाइन सट्टा ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया गया है और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी नियम लागू किए गए हैं। कार्यक्रम में यह घोषणा भी की गई कि शीघ्र ही महाविद्यालय में रतलाम शहर का पहला %ग्राहक पंचायत कंज्यूमर क्लब% स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार ग्राहक बनाने की दिशा में कार्य करेगा। इस अवसर पर संतोष जोशी एवं रॉयल महाविद्यालय (शिक्षा विभाग) की प्राचार्या डॉ. रविंद्रजीत कौर अरोरा भी मंचासीन रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप सिद्ध ने किया। ?इस जागरूकता कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण–प्रो. चंदाकला दवे, डॉ. अमित शर्मा, प्रो. कपिल केरोल, प्रो. मृदुला उपाध्याय, प्रो. गजराज सिंह राठौर, प्रो. ममता यादव, प्रो. समीक्षा मेहरा, प्रो. कविता गर्ग, प्रो. अल्का उपाध्याय, प्रो. नैनसी धीमन, प्रो. पूजा पाटीदार, प्रो. मिताली पुरोहित, प्रो. गरिमा मिश्रा, प्रो. आंचल नागल, प्रो. यक्षेन्द्र हरो? एवं प्रो. संजय धाक? सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ठेकेदार की लापरवाई का खामियाजा भुगत रहे है आमजन

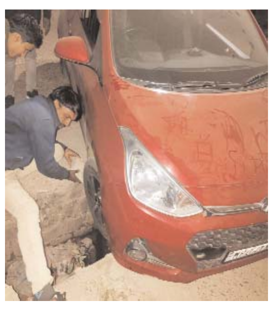

सिरोंज , सांध्यप्रकाश। वार्ड क्रमांक 6 स्थित नाले के पास गत दिन पहले ही नगर पालिका द्वारा नाले के पास जलियां लगवाई गई थी क्योंकि आए दिन आवारा मवेशी नाले में गिरकर फस जाते थे इसी को देखते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा आमजन की परेशानी को देखते हुए नाले के आसपास लोहे की जालियां लगवाईथी। लेकिन जलियां की दूरी सही तरीके से नहीं लगाई गई जिससे टर्निंग पर जग छूट जाने के कारण चार पहिया वाहन नाले में जाकर उसका पहिया फस गया । जिससे आसपास के लोग चार पहिया वाहन चालक सहित काफी मशक्कत के बाद फंसे हुए पहिए को किसी तरह से निकल गया। ठेकेदार की लापरवाही से इसका खामियाजा आमजन भुगत रहे हैं। नागरिक कौन है नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि छोड़ा हुआ गड्ढा के आसपास भी जाली लगवाई जाए जिससे दुर्घटना से बचा जा सके।

कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ ने राजनगर क्षेत्र की पंचायतों का निरीक्षण किया

छतरपुर, सांध्य प्रकाश। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया ने राजनगर जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत डहर्रा, ललपुर, तालगांव एवं नांद का निरीक्षण किया। जिला पंचायत सीईओ श्री अरजरिया ने ग्राम पंचायत डहर्रा में अनुसूचित जाति जूनियर छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित बच्चों से छात्रावास में उपस्थिति के संबंध में चर्चा करते हुए भोजन मीनू अनुसार मिल रहा है या नही की जानकारी ली। साथ ही बच्चों से गणित विषय से संबंधित प्रश्न भी पूछे। उन्होंने पंचायत में निर्मित सी.सी. रोड का गुणवत्ता से संबंधित निरीक्षण किया।

सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत ललपुर में गौशाला का निरीक्षण किया गया। जिसमें 120 नग गौवंश गौशाला में मौजूद पाए गए। उन्होंने गौवंश के लिए चारा भूषा आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्राम पंचायत तालगांव की गौशाला में 132 गौवंश उपस्थित पाए गए। जिपं सीईओ ने गौशालाओं में 3 दिन में बिजली की व्यवस्था बहाल करने एवं चारागाह विकसित कर नेपियर घास लगाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में ग्राम पंचायत नांद में मां की बगिया की हितग्राही माया आदिवासी की बगिया का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

सीएम हेल्पालाइन शिकायतों के निराकरण के निर्देश

जिला पंचायत सीईओ निरीक्षण उपरांत जनपद कार्यालय में पंचायतों के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जनपद सीईओ राकेश शुक्ला, पंचायत समन्वयय अधिकारी, उपयंत्री, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में अनुपस्थित सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों का एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद पंचायत में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान मनरेगा ई केवाईसी, मनेरेगा सामग्री भुगतान, प्रधानमंत्री आवास चौकर के द्वारा सत्यापन, पंचायत पोर्टल पर परिसम्पत्ति दर्ज करने एवं ग्राम पंचायतों में बकाया बिजली देयको का दो दिवस में भुगतान करने के निर्देश दिए गए।

सरपंच ने अपनी ही पंचायत में हो रहे है उत्खनन के खिलाफ जिला खनिज अधिकारी से कार्यवाही की मांग

सिरोंज , सांध्य प्रकाश। ग्राम पंचायत धानोदा के सरपंच उत्तम सिंह पटेल ने ग्राम पंचायत समतपुर मैं हो रहे रेत उत्खनन के खिलाफ जिला खनिज अधिकारी के नाम एक आवेदन सौंप कर कार्यवाही की मांग की है। आवेदन में लेख किया है कि ग्राम पंचायत धनौदा के ग्राम समतपुर में बड़े रूप से रेत उत्खनन का कार्य किया जा रहा है। जिसमें चोरी से रेत माफियाओं द्वारा चोरी कर उत्खनन कर रहे हैं। जिसमें आए दिन रेत माफियाओं द्वारा रेत भरकर बेच रहे हैं। सरपंच ने खनिज विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि रेत माफियाओं पर रोक लगाई जाए रेत माफियाओं के खिलाफ सरपंच द्वारा थाना सिरोंज में भी शिकायत दर्ज करवा चुके है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही देखने को नहीं मिल रही है। सरपंच ने मांग किया कि जल से जल्द रेत माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही की जाए और रेट उत्खनन पर रोक लगाई जाए। वहीं देखा जाए की रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और खनिज विभाग कुंभकरण की नींद सोया हुआ नजर आ रहा है जिससे साफ लगता है कि कहीं ना कहीं सब साठगांठ करके कार्य को अंजाम दिया जा रहा है । अब देखना यह है कि सरपंच की शिकायत पर कार्यवाही होती है या खाना पूर्ति कर खनिज विभाग चला जाता है।

14 से16 दिसंबर , डबरा में होगा अभाविप मध्य भारत प्रांत का 58 वाँ प्रांत अधिवेशन

गुरु तेगबहादुर के नाम पर नगर का निर्माण एवं प्रा. यशवन्त राव केलकर के नाम पर होगा मुख्य सभागार

भोपाल। सांध्यप्रकाश। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मध्य भारत प्रांत (अभाविप) का 58वाँ प्रांत अधिवेशन आगामी 14 से 16 दिसंबर को डबरा स्थित जलसा गार्डन में अस्थाई रूप से स्थापित गुरु तेगबहादुर नगर में आयोजित होगा। जिसमें 22 जिलों से 500 से अधिक प्रतिनिधि, जिनमें विद्यार्थी, शिक्षक, शिक्षाविद एवं पूर्णकालिक कार्यकता सम्मिलित होंगे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा इस प्रांत अधिवेशन के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों, सत्रों और प्रदर्शनी को स्थान दिया गया है। अधिवेशन के मुख्य सभागार का नाम प्रो यशवन्त राव केलकर जी के नाम पर रखा गया है।

प्रांत अधिवेशन का शुभारंभ आगामी 14 दिसंबर को होगा, जिसके उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति श्री रोहित आर्य, विशेष अतिथि के रूप में अभाविप के मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री चेतस सुखड़िया उपस्थित रहेंगे। इस अधिवेशन में मुख्य रूप से अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रघुराज किशोर तिवारी एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री आशीष चौहान भी शामिल होंगे। अधिवेशन के दौरान विभिन्न शैक्षिक एवं सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए प्रस्ताव पारित किए जाएंगे।

अधिवेशन के मुख्य आकर्षण में से एक भव्य प्रदर्शनी भी है, प्रदर्शनी का नामकरण क्रांतिकारी %भगवान दास माहौर प्रदर्शनी% रखा गया है। यह प्रदर्शनी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय ज्ञान परंपरा, अभाविप संगठनात्मक कार्यक्रम एवं अभियान, भगवान बिरसा मुंडा जी, रानी अबक्का जी, भारतीय संविधान, भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय- आपातकाल एवं विभिन्न महापुरुषों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इस प्रदर्शनी उद्घाटन दिनांक 13 दिसंबर को शाम पाँच बजे होगा। प्रदर्शनी उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ सुनील सचदेवा एवं विशिष्ट अतिथि श्री अमरदीप औलाख एवं अभाविप के प्रांत उपाध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश तोमर की विशेष उपस्थितिमें होगा। इस अधिवेशन में कुल 10 सत्र जिनमें 2 भाषण सत्र रहेंगे। साथ ही साथ शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल होंगे। शहर में खुले मंच से छात्र प्रतिनिधि विभिन्न विषयों पर भाषण देंगे

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी ने कहा कि, ÷अभाविप का यह 58वाँ प्रांत अधिवेशन डबरा में पहली बार संपन्न होने जा रहा है। इस अधिवेशन में विभिन्न शिक्षा, सामाज, पर्यावरण, सुरक्षा आदि विषयों पर प्रतिनिधि गहन चिंतन एवं चर्चा करते हुए प्रस्ताव पारित करेंगे जो मध्य प्रदेश शिक्षा जगत् एवं समाज को दिशा देने का काम करेगा। राष्ट्रबाद, समरसता एवं स्वामी विवेकानंद जी का संदेश लेकर निकलने वाली अभाविप की शोभा यात्रा का स्वागत करने हेतु समाज आतुर है। निश्चित तौर पर अभाविप का यह 58 वां प्रांत ऐतिहासिक एवं भव्य होने वाला है।

नवांकुर डॉल्फिन की तीन छात्राएं राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने लखनऊ पहुंची

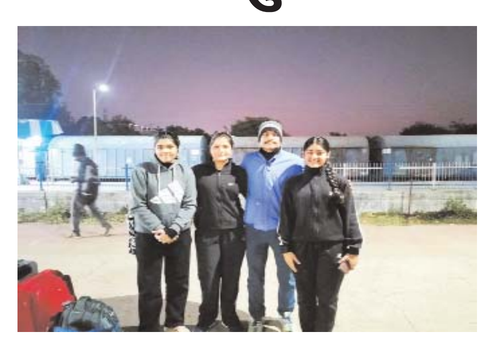

गंज बासौदा सांध्य प्रकाश, ।69 वी राष्ट्रीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दिनांक 13 दिसंबर से 17 दिसंबर तक किया जा रहा है। 17 वर्ष से कम आयु वर्ग की इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए नवांकुर की दो छात्राऐं तथा डॉल्फिन स्कूल की एक छात्रा लखनऊ पहुँच गई है। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में नवांकुर विद्यापीठ की छात्रा वैष्णवी शर्मा हैमर थ्रो, निशिका रघुवंशी डिस्कस थ्रो तथा डॉल्फिन की छात्रा पीहू रघुवंशी डिस्कस थ्रो में मध्य प्रदेश का नेतृत्व करेंगी।

इसके पूर्व 26 से 30 नवंबर तक हरियाणा के भिवानी में 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें विद्यालय के तीन छात्र दर्शन शर्मा ने डिस्कस थ्रो, जसराज नायक ने ट्रिपल जंप व निमिषा तिवारी ने हैमर थ्रो में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था। उल्लेखनीय है कि 17 वर्ष से कम आयु वर्ग के विद्यार्थियों की राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल में किया गया था, जहाँ उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वैष्णवी शर्मा ने हैमर थ्रो में,पीहू रघुवंशी ने डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक तथा निशका रघुवंशी ने डिस्कस थ्रो में रजत पदक प्राप्त कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुरक्षित किया था। जबकि 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन सागर में किया गया था जिसमें दर्शन शर्मा ने डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक, जसराज नायक ने ट्रिपल जंप और निमिषा तिवारी ने हैमर थ्रो में रजत पदक प्राप्त किया था।विद्यालय के उपर्युक्त छह विद्यार्थियों ने क्रीड़ा प्रभारी विजय शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए स्थान सुनिश्चित किया था।नवांकुर और डॉल्फिन विद्यालय परिवार ने छात्राओं को शुभकामनाऐं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राष्ट्रीय घोड़ा दिवस शक्ति, स्वतंत्रता, आध्यात्मिक ऊर्जा और योग का अद्भुत संगम

घोड़ा केवल गति का प्रतीक नहीं, बल्कि शक्ति, धैर्य, निष्ठा और आत्मविश्वास की जीवंत प्रेरणा है

महेश अग्रवाल

वह हमें सिखाता है कि सच्ची शक्ति वही है, जो अनुशासन, संतुलन और करुणा के साथ आगे बढ़े – योग, अध्यात्म और जीवन की प्रत्येक यात्रा में – योग गुरु महेश अग्रवाल

घो?ा मानव सभ्यता का एक प्राचीन साथी, प्रगति का वाहक, धर्म–अध्यात्म का महत्वपूर्ण प्रतीक और साहस – शौर्य का अद्वितीय प्रतिरूप है। विश्व की लगभग सभी संस्कृतियों और धर्मों में घोड़े को न केवल शक्ति और गति का पर्याय माना गया है, बल्कि उसे आध्यात्मिक ऊर्जा, स्वतंत्रता और बुद्धिमत्ता से भी जोड़ा गया है।

राष्ट्रीय घोड़ा दिवस इसी महान, उपयोगी, पवित्र और प्रेरणादायक प्राह्णी के सम्मान और संरक्षण के लिए समर्पित है। यह दिन मनुष्य और घोड़े के अद्भुत संबंधों, योगदानों और सांस्कृतिक परंपराओं को नई ऊर्जा के साथ याद करने का अवसर प्रदान करता है। योग गुरु महेश अग्रवाल बताते हैं – घोड़ा शक्ति, स्वतंत्रता, निष्ठा, साहस, गति और धीरज का प्रकृति प्रदत्त अद्भुत प्रतीक है। घोड़े का व्यवहार हमें अनुशासन, प्रतिबद्धता, आत्मविश्वास और लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

घोड़ा – मानव सभ्यता का अविभाज्य साथी घोड़े का इतिहास मानव इतिहास जितना ही प्राचीन है। हजारों वर्षों से घोड़ा – युद्धों में वीरता का प्रतीक रहा, कृषि में सहायक रहा, माल और मनुष्यों का मुख्य परिवहन रहा, राजाओं का शाही वाहन रहा, संस्कृतियों का गौरव और पौराणिक कथाओं का प्रेरक रहा, कभी गांवों के खेतों में हल खींचता घोड़ा, तो कभी महाभारत के रथों को गति देता अश्व, तो कभी राजसी शोभायात्राओं में आकर्षण का केंद्र – घोड़ा हर युग में शक्ति और सहयोग का स्रोत रहा है। आज मशीनों के युग में भी घोड़ा अपनी प्रामाणिकता, सौंदर्य, संवेदनशीलता और आकर्षण से मनुष्य के हृदय पर विशेष स्थान बनाए रखता है। राष्ट्रीय घोड़ा दिवस हमें इस अनमोल साथी के ऐतिहासिक महत्व और वर्तमान जरूरत दोनों का स्मरण कराता है।

विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों में घोड़े का महत्व घोड़े का उल्लेख लगभग हर धर्म और संस्कृति में मिलता है। यह तथ्य इस प्राणी के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक महत्व को और भी गहरा बनाता है। हिंदू धर्म में घोड़े का धार्मिक महत्व – हिंदू धर्म में घोड़े को दिव्य शक्ति, तेज, रफ्तार और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक माना गया है। सूर्य देव का रथ सात घोड़ों द्वारा खींचा जाता है – जो प्रकाश, ज्ञान और जीवन ऊर्जा के सात रंगों का प्रतीक है। अश्वमेध यज्ञ राजकीय सामर्थ्य, समृद्धि और धार्मिक अधिकार का

संकेताता रहा। विष्णु अवतार – कल्कि एक सफेद घोड़े पर सवार होकर कलियुगांत में धर्म की पुनर्स्थापना करेंगे। हयग्रीव अवतार – घोड़े के सिर वाले विष्णु का यह स्वरूप ज्ञान और बुद्धि का प्रतीक है। ऋग्वेद से लेकर महाभारत तक, घोड़े की शक्ति, विनम्रता और तेज गति का भव्य वर्णन मिलता है। बौद्ध धर्म में घोड़ा – मन और ऊर्जा का प्रतीक तिब्बती बौद्ध धर्म में पवन अश्व को इच्छाओं और प्रार्थनाओं को ब्रह्मांड तक पहुंचाने वाला माध्यम माना गया है। भगवान बुद्ध का प्रिय घोड़ा कंथक त्याग और सत्य की खोज में बुद्ध के साथी के रूप में प्रसिद्ध है। जैन धर्म में घोड़ा – संयम और आत्मनियंत्रण का प्रतीक – जैन परंपरा में घोड़े को – स्व–अनुशासन, इंद्रिय–निग्रह, शक्ति को नियंत्रित करने की क्षमता का प्रतीक माना गया है। ग्रीक संस्कृति में पेगासस – पेगासस नामक पंखों वाला दिव्य घोड़ा – स्वतंत्रता, ऊर्जस्विता, प्रेरणा, वीरता का प्रतीक है। वास्तु और फेंगशुई में घोड़े का महत्व – सात घोड़ों की तस्वीर – ऊर्जा, वृद्धि, समृद्धि और सफलता का प्रतीक। दौड़ता हुआ घोड़ा – तेजी, प्रगति और सकारात्मक दृष्टि। सफेद घोड़ा – शांति और आध्यात्मिक उन्नति। लाल घोड़ा – शौर्य और विजय। काला घोड़ा – बाधाओं से रक्षा का प्रतीक। इस प्रकार, घोड़े की छवि केवल बाहरी शक्ति नहीं, बल्कि एक आंतरिक आध्यात्मिक ऊर्जा का भी प्रतीक है।

योग और घोड़ा – शारीरिक मानसिक शक्ति का अनोखा संयोजन योग गुरु महेश अग्रवाल बताते हैं – घोड़े की लचीली, संतुलित, तेज़ और स्थिर ऊर्जा से प्रेरित कई योग अभ्यास बनाए गए हैं जिन्हें करने से शरीर में शक्ति, संतुलन और आंतरिक सामर्थ्य विकसित होता है। इनमें प्रमुख हैं – अश्विनी मुद्रा, वातायनासन, अश्व संचालनासन ये सभी आसन मन और शरीर को घोड़े जैसी ऊर्जा प्रदान करते हैं।

अश्विनी मुद्रा – आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने वाली सरल और प्रभावी प्राणिक क्रिया अश्विनी मुद्रा, जिसका अर्थ है – घोड़े की तरह गुदा क्षेत्र की मांसपेशियों का संकुचन और प्रसार, योग में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। अश्विनी मुद्रा की प्रक्रिया (तकनीक) किसी आरामदायक ध्यान–आसन में बैठें। आँखें बंद कर शरीर को शिथिल करें। अपनी जागरूकता को गुदा क्षेत्र तक ले जाएँ। अब गुदा की मांसपेशियों को घोड़े की तरह बार–बार सिकोड़ें और ढीला छोड़ें। इसे पूरी तरह लयबद्ध रखें। शुरुआत में 10 – 20 बार, बाद में अधिक समय तक। लाभ कब्ज, बवासीर, मलाशय विकारों में लाभकारी, प्रजनन अंगों को स्वस्थ बनाता, गुदा की मांसपेशियों को मजबूत करता, पाचन क्रिया सुदृढ़ करता, अकाल मृत्यु से रक्षा और दीर्घायु प्रदान करता, प्राणों को ऊपर की ओर प्रवाहित कर आध्यात्मिक ऊर्जा जगाता, कुंडलिनी जागरण की प्रारंभिक क्रियाओं में से एक। जिन्हें सावधानी रखनी चाहिए गुदा नालव्रण (अनल फिस्टुला) वाले तीव्र दर्द में अभ्यास न करें। अश्विनी मुद्रा साधक को भीतर से ऊर्जावान बनाती है और उसका मानसिक – बौद्धिक संतुलन बढ़ाती है।

वातायनासन – शक्ति, संतुलन और सहनशक्ति का अद्भुत योगासन यह आसन घोड़े की शारीरिक मजबूती और स्थिरता का प्रतीक है। विधि – सीधे खड़े हों। पैरों को कूल्हों की चौड़ाई जितना खोलें। सांस छोड़ते हुए घुटनों को मोड़ें – जैसे कुर्सी पर बैठ रहे हों। जांघें जमीन के समानांतर रहें। हाथ आगे की ओर फैलाएं। सामान्य श्वास लेते हुए कुछ समय रुकें। लाभ – पैरों, कूल्हों, जांघों और पीठ को मजबूत करता है, संतुलन और स्थिरता बढ़ाता है, शरीर–भंगिमा में सुधार, घोड़े की तरह सहनशक्ति और शक्ति विकसित करता है।

अश्व संचालनासन – सूर्य नमस्कार का उर्जावान चरण सूर्य नमस्कार का चौथा चरण अश्व संचालनासन घोड़े की मुद्रा पर आधारित एक महत्वपूर्ण योगासन है। कदम–दर–कदम विधि – घुटनों के बल आ जाएँ। दायाँ पैर आगे 90 डिग्री के कोण पर रखें। बाएँ पैर का घुटना और पंजा जमीन पर टिकाएँ। हाथों को दाएँ पैर के दोनों ओर लगाएँ। छाती खोलकर आगे देखें। क्षमता अनुसार रुके रहें। लाभ – रीढ़ की जकड़न दूर करता है, कूल्हों की मांसपेशियों को खोलता है, पैर, जांघ और पीठ की शक्ति बढ़ाता है, पाचन क्रिया तेज करता है, तनाव, चिंता और अवसाद दूर करता है, शरीर में लचीलापन और समन्वय विकसित करता है। सावधानियाँ – वार्म–अप अनिवार्य भोजन के तुरंत बाद न करें, दर्द होने पर रोक दें, हृदय रोग, गंभीर चोट, गर्भावस्था में सावधानी।

घुड़सवारी – शरीर, मन और आत्मविश्वास को ऊर्जा देने वाली कला घुड़सवारी केवल एक शौक नहीं, बल्कि एक संपूर्ण शारीरिक और मानसिक वेलनेस प्रैक्टिस है। शारीरिक लाभ – कोर मसल्स मजबूत होती है, शरीर का संतुलन सुधरता है, समन्वय और प्रतिक्रिया–क्षमता बढ़ती है, रीढ़ मजबूत होती है, कैलोरी बर्न होती है और फिटनेस बढ़ती है।मानसिक लाभ – तनाव और चिंता कम होती है, आत्मविश्वास बढ़ता है, भय और हिचक दूर होती है, निर्णय क्षमता तेज होती है। सामाजिक लाभ – नए लोगों से मिलने का अवसर, टीमवर्क और समझदारी में वृद्धि, प्रकृति से जुड़ने का श्रेष्ठ माध्यम।घुड़सवारी व्यक्ति को भीतर से हिम्मत, धैर्य, आत्मविश्वास और अनुशासन प्रदान करती है।

तांगा और घोड़ा – पारंपरिक परिवहन का सांस्कृतिक महत्व तांगा भारतीय इतिहास, संस्कृति और ग्रामीण जीवन की एक जीवंत विरासत है। पर्यावरण के अनुकूल, ईंधन रहित यात्रा, रोज़गार का साधन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती, पर्यटन को बढ़ावा, तांगा केवल एक वाहन नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है जो मानव और घोड़े के सामंजस्यपूर्ण संबंध की गवाही देता है।

घोड़ा केवल प्रतीकात्मक ही नहीं, वैज्ञानिक दृष्टि से भी शक्ति का मानक है आज आधुनिक विज्ञान और तकनीक में भी शक्ति को मापने की एक महत्वपूर्ण इकाई हॉर्सपावर कहलाती है। किसी इंजन, मशीन या विद्युत उपकरण की कार्यक्षमता और ताकत को मापने के लिए हॉर्सपावर का प्रयोग किया जाता है। यह इकाई इस तथ्य को दर्शाती है कि घोड़ा प्राचीन काल से ही शक्ति, गति और निरंतर कार्य क्षमता का मानक रहा है। मानव ने जब मशीनों का विकास किया, तब उनकी शक्ति की तुलना घोड़े की कार्यक्षमता से की गई और उसी आधार पर हॉर्सपावर की अवधारणा बनी। यह प्रमाण है कि घोड़ा केवल सांस्कृतिक या धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से भी शक्ति का वैश्विक प्रतीक है। राष्ट्रीय घोड़ा दिवस – संरक्षण और संवर्धन का संकल्प यह दिवस हमें प्रेरित करता है कि – घोड़ों के स्वास्थ्य और अधिकारों की रक्षा करें। उनके प्राकृतिक निवास स्थानों का संरक्षण करें। उन्हें सम्मानजनक वातावरण और उचित भोजन दें।

दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से सम्बंधित शिकायत निवारण पर उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल, सांध्यप्रकाश। नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट भोपाल द्वारा, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के सहयोग से उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय सांदीपनि विद्यालय, सरदारपुर, जिला धार में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से सम्बंधित शिकायत निवारण पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अविनाश श्रीवास्तव, उपनिदेशक एनसीएचएसई ने प्रतिभागियों को जागरूक करते हुए बताया कि ट्राई उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा तथा सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने और शिकायत निवारण प्रणाली को पारदर्शी व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सेवा प्रदाताओं को दो स्तरीय प्रणाली लागू करने के निर्देश देता है।

पहले स्तर पर सेवा प्रदाताओं को टोल-फ्री शिकायत केंद्र (जैसे 198) स्थापित करना अनिवार्य है, जहाँ प्रत्येक शिकायत को डॉकेट नंबर दिया जाता है और उपभोक्ता को एसएमएस द्वारा समाधान की समय-सीमा बताई जाती है। यदि समस्या का समाधान न हो, तो दूसरे स्तर पर उपभोक्ता अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील कर सकता है, जिसका निवारण 39 दिनों के भीतर किया जाना आवश्यक है। सभी सेवा प्रदाताओं की वेबसाइट पर अपीलीय प्राधिकरण का विवरण उपलब्धता इत्यादि की जानकारी प्रदान की।

प्रसारण सेवाओं (टीवी, रेडियो, डीटीएच, एम एसओ) के लिए भी इसी तरह की प्रणाली लागू है। ट्राई ने शिकायतों की निगरानी हेतु टीसीसीएमएस (दूरसंचार) और बीसीसीएमएस (प्रसारण) पोर्टल विकसित किए हैं। व्यक्तिगत शिकायतों के समाधान हेतु भोपाल स्थित एन सी एच एस ई संस्था को कंस्यूमर एडवोकेसी ग्रुप (सीएजी) के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्होंने प्रतिभागियों को सावधानी बरतने, ओटीपी साझा न करने तथा ठगी की स्थिति में हेल्पलाइन 1930 या साइबरक्राइम.जीओवी.आईएन पर शिकायत करने की सलाह दी। इसी के साथ साइबर हाइजीन को समझाते हुए बताया कि अपने उपकरण, डेटा और पहचान को सुरक्षित रखने के लिए सही डिजिटल आदतें अपनाने की सलाह दी। साइबर हाइजीन धोखाधड़ी, हैकिंग और डेटा चोरी जैसे ऑनलाइन खतरों से सुरक्षा प्रदान करता है।

विनय पावक ने सभी बच्चों को ट्राई द्वारा उपलब्ध सुविधाओं स्ह्क्क् छ्ह्छ आदि के बारे में जानकारी दी। स्कूल प्राचार्य श्री ज़ेड एस पटेल महोदय ने सभी प्रतिभागियों को मोबाइल पर कार्य करते समय सतर्क रहने की सलाह दी एवं ÷रुको, सोचो और एक्शन लो का मंत्र बच्चो को दिया। हरी शंकर धूरिया ने उपस्थित उपभोक्ताओं धन्यवाद देते हुए आह्वान किया कि वे अपने परिवार, कार्यस्थल और समाज में जागरूकता फैलाएँ और जानकार बनिए और सतर्क रहिए÷ संदेश को आगे बढ़ाएँ कार्यक्रम में छात्र छात्राओं, स्कूल शिक्षकों, एवं स्टाफ, आदि सहित 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

डिजिटल मार्केटिंग एवं ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने जागरुकता कार्यशाला का आयोजन

भोपाल, सांध्यप्रकाश। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम MSME क्षेत्र में डिजिटल मार्केटिंग एवं ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने के उद्देश्य से MSME TEAM (Trade Enablement and Marketing) Initiative पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन फेडरेशन ऑफ एम.पी. चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम दह्स्ढ्ढष्ट्ट के संयुक्त तत्वावधान में किया गया जिसका उद्देश्य प्रदेश के सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को ओएनडीसी जैसे ओपन नेटवर्क के माध्यम से नए बाजारों तक पहुंच, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपस्थिति तथा विपणन के नए अवसरों से अवगत कराना है। कार्यक्रम आज दिनांक 12 दिसंबर 2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे पंजीयन एवं किट वितरण के साथ प्रारंभ हुआ, जिसके पश्चात उद्घाटन सत्र में NSIC एवं MSME विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों श्री फैसल हुसैन एवं श्री तिर्के जी ने डिजिटल प्लेटफार्म एवं एमएसएमई की स्कीम के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके पश्चात फेडरेशन के अध्यक्ष श्री दीपक शर्मा जी ने ओएनडीसी की आवश्यकता एवं विशेषता के बारे में बताया। उद्घाटन सत्र में श्री फैसल हुसैन, डिप्टी जनरल मैनेजर NSIC द्वारा TEAM Initiative की रूपरेखा एवं लाभों पर मुख्य वक्तव्य तथा विडियो के माध्यम से योजना की जानकारी प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात एनएसआईसी तथा नेटवर्क पार्टिसिपेंट्स SNPs के विशेषज्ञ अश्विनी चौरसिया ने TEAM Initiative के विभिन्न घटकों - जैसे डिजिटल कैटलॉगिंग, ओएनडीसी नेटवर्क पर ऑनबोर्डिंग] लॉजिस्टिक्स एवं पैकेजिंग सहायता, डिजिटल मार्केटिंग तथा MSME के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता आदि विषयों पर जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में उद्यमियों को UDYAM पंजीकरण TEAM पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया तथा ओएनडीसी नेटवर्क से जुड़ने की चरणबद्ध जानकारी भी दी।

कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों का सम्मान, आभार प्रदर्शन किया गया। इस कार्यशाला में भागीदारी से प्रदेश के डै MSMEs को देशव्यापी ग्राहक आधार तक पहुंच, ई-कॉमर्स संचालन में हैंडहोल्डिंग सपोर्ट तथा कम लागत पर डिजिटल मार्केटिंग के अवसर प्राप्त होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रकरणों की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आदेश दिया

सागर, सांध्यप्रकाश। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सागर जिले के मालथौन निवासी नीलेश आदिवासी की मृत्यु से जुड़े सभी आपराधिक प्रकरणों की जांच के लिए दो दिवस में एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) बनाने के आदेश मध्यप्रदेश के डीजीपी को दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश इस मामले में फरियादी गोविंद सिंह मालथौन की जमानत याचिका की सुनवाई के पश्चात दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत जी ने याचिका की सुनवाई के बाद एसआईटी के गठन के विषय में गाइडलाइन भी निर्धारित की है जिसके अनुसार गठित की जाने वाली तीन सदस्यीय एसआईटी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्तर का ऐसा अधिकारी जो मध्यप्रदेश से बाहर का हो, एक युवा आईपीएस अधिकारी तथा एक महिला डीएसपी शामिल होगी। यह तीन सदस्यीय एसआईटी मृतक नीलेश आदिवासी और गोविंद सिंह मालथौन के प्रकरण से संबंधित सभी आपराधिक प्रकरणों की जांच करेगी तथा आवश्यकता होने पर आरोपी की गिरफ्तारी भी कर सकेगी।

शीर्ष दायित्वों पर प्रदेश के प्रतिनिधियों को चुना गया

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि Wheelchair Rugby Federation of India में शीर्ष दायित्वों पर हमारे प्रदेश के प्रतिनिधियों को चुना गया है। फेडरेशन के President के रूप में डॉ. विवेक सिंह परिहार, Sports Director के रूप में मो. शाहिद खान, तथा Joint Secretary के रूप में डॉ. अनिल कुमार अग्रहरि को नियुक्त किया गया है। इन दायित्वों के साथ अब यह प्रतिष्ठित टीम आगामी एशियन चैम्पियनशिप, जो फरवरी माह में इंडोनेशिया में आयोजित होने जा रही है, में भारतीय टीम का नेतृत्व एवं प्रतिनिधित्व करेगी। यह न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। यह उपलब्धि दिव्यांग खेलों को नई दिशा देगी और आने वाले समय में व्हीलचेयर रग्बी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक पहचान दिलाएगी।

रिकॉर्ड बिक्री: पिछले महीने बिके 4.12 लाख से ज्यादा यात्री वाहन, जीएसटी कटौती से मिली रफ्तार

नई दिल्ली , एजेंसी। पिछले साल नवंबर की तुलना में इस साल नवंबर में 18.7त्न अधिक यात्री वाहन बिके। यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों के निर्यात में भी पिछले महीने 96.3 फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई।?दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी नवंबर में 21 फीसदी बढ़कर 19,44,475 इकाई के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। त्योहारों के बाद भी मजबूत मांग बने रहने से देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री नवंबर, 2025 में सालाना आधार पर 18.7 फीसदी बढ़कर 4,12,405 इकाई के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई। बीते साल नवंबर में कुल 3,47,522 यात्री वाहन बिके थे। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने पिछले महीने कुल 1,70,971 यात्री वाहन बेचे। यह नवंबर, 2024 में बेचे गए 1,41,312 यात्री वाहनों से 21 फीसदी अधिक है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की थोक बिक्री 46,222 इकाई के मुकाबले 22 फीसदी बढ़कर 56,336 इकाई पहुंच गई। इस दौरान ह्यूंडई मोटर इंडिया ने 50,340 यात्री वाहन बेचे, जो सालाना आधार पर चार फीसदी अधिक है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, त्योहारों के बाद भी मजबूत मांग बने रहने और सरकार के जीएसटी सुधारों के समर्थन से घरेलू मोटर वाहन उद्योग ने नवंबर में बिक्री की रफ्तार को बरकरार रखा। यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों ने नवंबर में अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की। उम्मीद है कि निरंतर सहायक नीतिगत सुधारों और बेहतर बाजार भावनाओं से यह वृद्धि 2026 में भी जारी रहेगी।

दोपहिया व तिपहिया वाहनों की बिक्री भी नए शिखर पर

दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी नवंबर में 21 फीसदी बढ़कर 19,44,475 इकाई के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में 16,04,749 दोपहिया वाहन बिके थे। स्कूटर की बिक्री 5,68,580 इकाई से 29 फीसदी की वृद्धि के साथ?7,35,753 इकाई पहुंच गई। मोटरसाइकिल बिक्री पिछले महीने 17.5 फीसदी बढ़कर 11,63,751 इकाई के स्तर पर पहुंच गई। मोपेड की बिक्री में सालाना आधार पर दो फीसदी की गिरावट रही और कुल 44,971 इकाई बिके।?तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 71,999 इकाई पहुंच गई।

निर्यात में जबरदस्त उछाल

यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों के निर्यात में पिछले महीने 96.3 फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई।?इस दौरान यात्री वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 39.8 फीसदी बढ़कर 84,646 इकाई?पहुंच गया। कारों का निर्यात 18.3 फीसदी की वृद्धि के साथ 40,519 इकाई?रहा।?दोपहिया वाहनों का निर्यात 30.1 फीसदी तेजी के साथ?4,71,012 इकाई पहुंच गया। तिपहिया वाहनों का निर्यात 96.3 फीसदी बढ़कर 46,013 इकाई तक पहुंच गया है।

कौशल प्रशिक्षण को वैश्विक मानकों से जोड़ना हमारी प्राथमिकता : मंत्री टेटवाल

भोपाल, सांध्यप्रकाश। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि कौशलम् संवाद का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से सीधे जुड़कर उनके कौशल, प्रगति, अवसरों और उपलब्धियों को समझना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार कौशल विकास को वैश्विक मानकों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है और विद्यार्थियों को देश-विदेश में प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। संवाद के प्रथम चरण में बच्चों से उनकी यात्रा, चुनौतियों और सफलता के अनुभव सुनकर वे विशेष रूप से प्रसन्न और प्रोत्साहित हुए। मंत्री श्री टेटवाल ने सिंगापुर कौशल प्रशिक्षण के लिए चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर न केवल उनके करियर को नई दिशा देगा बल्कि वे लौटकर अपने संस्थानों और साथियों को भी उन्नत प्रशिक्षण में सहयोग करेंगे, जिससे विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के निर्माण को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सिंगापुर जाकर बच्चे जिस तरह उच्च तकनीक और कार्य-संस्कृति को सीखेंगे, वह कौशल भारत अभियान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मंत्री श्री टेटवाल ने संवाद के दौरान यह भी बताया कि प्रदेश में आईटीआई संस्थानों से निकलने वाले युवा अब बड़ी कंपनियों में कार्य कर रहे हैं, जो यह प्रमाणित करता है कि कौशल प्रशिक्षण का स्तर लगातार उच्च हो रहा है। संवाद में उन्होंने अंचल की उन शाला त्यागी बालिकाओं से बात की जिन्होंने आईटीआई में प्रवेश लिया, विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त किया और अब प्रतिष्ठित कंपनियों में कार्यरत हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि यह उदाहरण महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रदेश सरकार के प्रयासों की सफलता को दर्शाता है और यह देखकर संतोष होता है कि बेटियाँ लगातार नए अवसरों को अपनाकर आगे बढ़ रही हैं। डिवीजनल आईटीआई भोपाल के श्रवण बाधित विद्यार्थियों के साथ संवाद में मंत्री श्री टेटवाल ने उनके नेशनल डेफ क्रिकेट टीम में चयन पर शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह उपलब्धि सिद्ध करती है कि प्रतिभा किसी सीमा की मोहताज नहीं होती।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुरावर में हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेज द्वारा 20 टीबी पेशेंटों को निश्चय किट प्रदान की गई, जिसे अगले 6 महीनों तक नियमित रूप से दिया जाएगा। इस निश्चय किट वितरण कार्यक्रम में डॉ. एन. के. गवली (मेडिकल ऑफिसर, कुरावर हॉस्पिटल), डा अनिल सोनी (मेडिकल ऑफिसर कुरावर) नायब तहसीलदार सुनीता सिंह, टीबी ऑफिसर सुरेश चंद्र अजमेरिया, सुश्री अश्विनी येलने, पूजा मीणा CHOपीलूखेड़ी), यशवंत यादव (CHO गीलाखेड़ी), हेमेंद्र कुशवाह सहित अनेक सम्मानित नागरिकों ने सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेज के इस सराहनीय एवं सामाजिक दायित्वपूर्ण कार्य की प्रशंसा की।

जिंदगी का असली सोपान यही है कि हम हर दृश्य हर भावना, हर अनुभव और हर संबंध को जिएं

सुशील कुमार जैन

जिंदगी वास्तव में एक खुशनुमा यात्रा है–एक ऐसा अनमोल उपहार, जिसे ईश्वर ने बड़े प्रेम और करुणा से हमें प्रदान किया है। उन्होंने हमें एक स्वस्थ मन दिया, सोचने-समझने की क्षमता दी; आंखें दीं ताकि हम इस विराट प्रकृति के रंगों को देख सकें; कान दिए ताकि पंछियों का संगीत, बहती नदियों की ध्वनि और हवा की सरसराहट सुन सकें; स्पर्श करने की क्षमता दी ताकि वृक्षों की छाल, मिट्टी की गंध, और मां की कोमल हथेली का अहसास महसूस कर सकें; और सांसों में खुशियाँ महसूस करने की शक्ति दी, ताकि हम जीवन के हर क्षण को सचमुच जी सकें।

प्रकृति सौंदर्य मनुष्य के जीवन का वह अमूल्य उपहार है, जो न केवल आँखों को तृप्त करता है बल्कि मन, आत्मा और चेतना को भी शांति प्रदान करता है। प्रकृति अपने विविध रूपों में सौंदर्य की ऐसी अनंत छटा बिखेरती है, जिसे शब्दों में बाँधना कठिन, फिर भी आनंददायक है। प्रकृति ईश्वर की बनाई एक खुली पुस्तक है–जिसका हर पृष्ठ हमें कुछ न कुछ सिखाता है। जीवन में फूल भी हैं, जो कोमलता, प्रेम और आशा का प्रतीक हैं; और कांटे भी, जो बताते हैं कि हर सुगंधित रास्ते पर संघर्ष और सावधानी का साथ चलना जरूरी है। नदियाँ निरंतर बहने का संदेश देती हैं, तालाब गहराई और शांति का, जबकि सरोवर आत्मचिंतन और ठहराव की सीख देते हैं। सुंदर वृक्ष धरती की खुली बाहें हैं जो हमें छाया और सुरक्षा देते हैं, और फलदार वृक्ष यह बताते हैं कि देने में ही सच्चा सुख है।

प्रातःकाल का दृश्य प्रकृति सौंदर्य का प्रथम संदेश होता है। उगते हुए सूर्य की सुनहरी किरणें जब धरती को स्पर्श करती हैं, तो अंधकार का आवरण धीरे-धीरे हट जाता है। ओस की बूँदें घास की नोक पर मोतियों की तरह चमकती हैं। पक्षियों का मधुर कलरव वातावरण में जीवन का संचार कर देता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरी सृष्टि एक नई ऊर्जा के साथ जाग उठी हो।

नदियाँ और सरोवर प्रकृति के हृदय की धड़कन हैं। कल-कल करती नदियाँ पर्वतों से निकलकर मैदानों को जीवन देती हुई आगे बढ़ती हैं। उनका स्वच्छ जल सूर्य की किरणों में चाँदी-सा चमकता है। तालाब और झीलें शांत चित्त की प्रतीक हैं, जिनके जल में आकाश, बादल और वृक्ष अपनी छवि देखकर जैसे आत्ममुग्ध हो जाते हैं।

पर्वत प्रकृति की अडिगता और गरिमा के प्रतीक हैं। ऊँचे-ऊँचे पर्वत शिखर, जिन पर बर्फ की चादर बिछी रहती है, आकाश से संवाद करते प्रतीत होते हैं। घाटियों में फैली हरियाली और रंग-बिरंगे फूल उस कठोरता में कोमलता का अद्भुत संतुलन प्रस्तुत करते हैं। पर्वतीय वायु में एक ऐसी पवित्रता होती है, जो मन को निर्मल कर देती है। वन और वृक्ष प्रकृति के श्रृंगार हैं। हरे-भरे जंगलों में फैले वृक्ष, लताएँ और झाड़ियाँ जैव-विविधता का सुंदर संसार रचते हैं। आम्र, पीपल, बरगद, नीम जैसे वृक्ष न केवल छाया और फल देते हैं, बल्कि मानव जीवन के मौन उपकारक भी हैं। वन में बहती हवा, पत्तों की सरसराहट और वन्य जीवों की गतिविधियाँ प्रकृति का जीवंत संगीत बन जाती हैं। ऋतुओं का परिवर्तन प्रकृति सौंदर्य को और भी बहुआयामी बना देता है। वसंत ऋतु में खिलते फूल, ग्रीष्म की तपन में आम्र-मंजरी, वर्षा में हरियाली की चादर और शरद की स्वच्छ, उजली चाँदनी–हर ऋतु का अपना अलग रंग, रूप और रस है। शीत ऋतु की ठंडी हवाएँ और कुहासे से ढकी सुबहें प्रकृति को रहस्यमय बना देती हैं। जिंदगी के इस सुंदर कैनवास पर असंख्य जीव अपनी उपस्थिति से रंग भरते हैं। तितलियाँ अपने नन्हे पंखों से सौंदर्य बिखेरती हैं, मोर अपने नृत्य से प्रकृति का उत्सव रचते हैं, हाथी शक्ति और धैर्य की प्रतिमूर्ति हैं, और सरोवर में तैरते बतख हमें सहजता और सरलता का पाठ पढ़ाते हैं। बच्चों के हँसते चेहरे जीवन की ताजगी हैं–उनकी मासूमियत और जिज्ञासा हमें यह सिखाती है कि खुशी बहुत बड़ी नहीं होती, बस सच्ची होनी चाहिए। पनघट पर पानी भरती महिलाएँ श्रम, संस्कृति और सामाजिक जुड़ाव की जीवंत तस्वीर बन जाती हैं।

रिश्ते इस जीवन-यात्रा को गहराई और अर्थ देते हैं। माँ के हाथ की रोटी जीवन का सबसे सुकूनभरा स्वाद है–जिसमें प्रेम, त्याग और अपनापन घुला होता है। पिता का स्नेह वह मजबूत आधार है, जो बिना शोर किए जीवन की दिशा तय करता है। बचपन के दोस्त और उनसे जुड़ी यादें मन में हमेशा ताज़ी रहती हैं–वहीं से पहली हँसी, पहला भरोसा और दोस्ती की सच्ची परिभाषा जन्म लेती है। परिवार और रिश्तेदार जीवन का वह विस्तृत वृक्ष हैं, जिनकी छाया में हमारा अस्तित्व फलता-फूलता है।

समाज वह धरातल है जहाँ हम अपना चरित्र गढ़ते हैं, जिम्मेदारियाँ निभाते हैं और अपने कर्मों से एक बेहतर दुनिया बनाने का प्रयास करते हैं। अतीत की यादें हमारी पूँजी हैं–कुछ सुखद, कुछ कठिन–लेकिन हर अनुभव हमें परिपक्व और समझदार बनाता है। वहीं भविष्य के सपने हमें उड़ान देते हैं, रास्ते दिखाते हैं और संघर्ष सहने की ऊर्जा भी उन्हीं से मिलती है। जिंदगी का असली सोपान यही है कि हम हर दृश्य, हर भावना, हर अनुभव और हर संबंध को पूरी संवेदनशीलता के साथ जिएँ–बिना शिकायत, बिना पछतावे और बिना भय के। जीवन कोई दौड़ नहीं, बल्कि एक अनुभव है; एक अमूल्य संग्रह–यादों, भावनाओं, सपनों और सीखों का।

अतः हमें चाहिए कि हम प्रकृति के सौंदर्य को, रिश्तों की गर्माहट को, अनुभवों की सीख को और सपनों की उड़ान को कृतज्ञता के साथ अपनाएँ। हर पल को पूरी संजीदगी से जिएँ और जीवन को एक सुंदर, सार्थक और पूर्ण यात्रा बनाएँ–क्योंकि जिंदगी सचमुच एक खुशनुमा यात्रा है, और इसे प्रेम, कृतज्ञता और आनंद के साथ जी लेना ही जीवन की सबसे बड़ी कला है।

नेशनल लोक अदालत आज

सिवनी सांध्य प्रकाश। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी सतीश चंद्र राय के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय सिवनी सहित तहसील लखनादौन, घंसौर एवं केवलारी के न्यायालय परिसर में शनिवार 13 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में समझौता योग्य दाण्डिक प्रकरण, चेक अनादरण (धारा-138 एन.आई.ए.), मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरण, सिविल प्रकरण, विद्युत एवं जलकर प्रकरण, बैंक वसूली प्रकरण, श्रम विवाद, शमनीय विधिक/दाण्डिक अपीलें तथा न्यायालय में लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों को रखा जाएगा। इनमें दोनों पक्षों के मध्य आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। आयोजित नेशनल लोक अदालत में विशेष रूप से विद्युत प्रकरणों के निराकरण में नियमानुसार बड़ी छूट प्रदान की जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रवि नायक ने आमजन से अपील की है कि जिन व्यक्तियों के न्यायालय में या न्यायालय के बाहर प्रीलिटिगेशन स्तर पर प्रकरण लंबित हैं, वे लोक अदालत में उपस्थित होकर आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से अपने प्रकरणों का निराकरण करा सकते हैं।

सीहोर में सड़क दुर्घटना

एसआई की थार ने 4 को कुचला, एक की मौत,भीड़ ने घेरा, एफआईआर के बाद सस्पेंड

सीहोर, सांध्य प्रकाश। सीहोर जिले में शुक्रवार शाम महिला सब इंस्पेक्टर की तेज रफ्तार थार ने चार लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हुए। शनिवार सुबह घटना का वीडियो सामने आया, जिसमें एसआई कहती दिखीं- मुझे जाने दो, मम्मी-पापा इंतजार कर रहे हैं।

हादसा इंदौर-भोपाल हाईवे पर बिलकिसगंज चौराहे के पास हुआ। थार ने पहले सड़क किनारे बैठे कंबल विक्रेताओं को टक्कर मारी और फिर दो बाइक सवारों को अपनी चपेट में लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एसआई किरण राजपूत आष्टा से भोपाल की ओर आ रही थीं।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने एसआई किरण राजपूत को घेर लिया। वीडियो में वह कहती दिखाई दे रही हैं कि मुझे जाने दीजिए, मेरे मम्मी-पापा भोपाल में इंतजार कर रहे हैं। जबकि लोग जिद पर अड़े थे कि वे घायलों को अस्पताल लेकर जाएं और इलाज कराएं। करीब एक घंटे बाद डायल-112 आई और घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

उज्जैन के कंबल विक्रेता वकील (28) और लखन (16) और भोपाल के बाइक सवार हृदेश राजोरिया (40) और उनके रिश्तेदार विजय (46)

गंभीर रूप से घायल हुए। गंभीर हालत में उन्हें भोपाल लाया गया, जहां विजय शर्मा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।सीएसपी डॉ. अभिनंदना शर्मा ने बताया कि घटना में लापरवाही स्पष्ट होने पर थार वाहन चला रहीं उप निरीक्षक किरण राजपूत के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

घटना को गंभीर लापरवाही और कदाचार मानते हुए पुलिस अधीक्षक सीहोर दीपक कुमार शुक्ला ने किरण सिंह राजपूत को तत्काल सस्पेंड कर रक्षित केंद्र सीहोर अटैच कर दिया है। मामले की प्राथमिक जांच नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) सीहोर को सौंपी गई है।

पुलिस ने एनएन होटल में देह व्यापार का किया पर्दाफाश

सौसर, सांध्य प्रकाश। लोधीखेड़ा गुरुवार को थाना लोधीखेडा मे रेमंड चौक के पास एन.एन. होटल में अनैतिक देह व्यापार के संबंध में मुखबिर से सूचना प्राप्त होने एवं बाद सूचना की पुष्टि होने पर महिला प्रकोष्ठ प्रभारी निरीक्षक संध्यारानी सक्सेना की उपस्थिति मे एवं थाना लोधीखेडा से उनि. सुभाष भलावी, महिला आर. मंदा उईके, आरक्षक संदीप डेहरिया, थाना सौंसर से महिला आर. स्वाति, के साथ रवाना होकर, एन.एन. होटल में देह व्यापार की सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस स्टाफ व स्वतंत्र साक्षियो (महिला) के साथ एन. एन. होटल के अंदर जाकर दबिश दी गई। होटल मे उपस्थित एक व्यक्ति ने एन. एन. होटल का मैनेजर सचिन पिता रामेश्वर निमजे उम्र 25 वर्ष निवासी वार्ड नं. 02 सौसर का होना बताया। होटल में विभिन्न कमरो में ठहरने वाले व्यक्तियो के संबंध में पूछताछ की गयी एवं होटल मैनेजर को साथ लेकर होटल के पृथक पृथक कमरो की तलाशी की गयी जिसमे कुल 07 कमरो के अंदर एक महिला एवं एक पुरूष के कुल 7 जोडे महिला पुरूष आपत्तिजनक स्थिति में मिले बाद पृथक पृथक कमरो की तलाशी लेने पर कमरे चादर अस्त व्यस्त होकर पलंग के पास कंडोम के पैकेट मिले। एन. एन. होटल संचालक मनीष बागडे के व्दारा देह व्यापार के अनैतिक कृत्य में संलिप्त होना पाया गया है एवं आरोपियों के द्वारा होटल संचालन की आड में देह व्यापार किए जाना पाये जाने से अपराध क्र 464/25 धारा 3,4,5,6 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम का कायम कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस अधीक्षक पांढुर्णा सुंदर सिंह कनेश के नेतृत्व में कार्यवाही की गई।

श्रम निरीक्षक दल ने किया विभिन्न कृषि फर्मों और 15 गुड़ भट्टियों का निरीक्षण

नरसिंहपुर, सांध्य प्रकाश। श्रम विभाग के श्रम निरीक्षक दल द्वारा जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत गोरखपुर के अंतर्गत आने वाले श्रीराम कृषि

फर्म, शिव गोरखपुर फर्म एवं जगदीश कृषि फर्म और करेली के अंतर्गत 15 गु? भट्टीयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समझाइश दी गई कि अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के बालकों का नियोजन पूर्णत~प्रतिबंधित है और धारा 3 के तहत खतरनाक नियोजनों से कुमार श्रमिकों को नियोजित करना दण्डनीय अपराध है। बाल श्रमिक नियोजित करते पाये जाने पर उक्त अधिनियम की धारा 14 के अंतर्गत जुर्माना 20 हजार से 50 हजार रुपये तक या 6 माह से 2 वर्ष तक करावास अथवा दोनों से दंडित किये जाने के प्रावधानों से अवगत कराया गया।

आबकारी विभाग ने कार्यवाही कर जब्त की 72 बोतल विदेशी शराब

सिवनी सांध्य प्रकाश- कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी विनोद खटीक के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभाग की टीम ने धारना क्षेत्र से सिवनी आ रही एक मारुति वैगन आर कार से छह पेटी विदेशी शराब जब्त की है।

जिला आबकारी अधिकारी द्वारा बताया गया कि गश्त के दौरान विभाग को सूचना मिली थी कि एक लाल रंग की वैगनआर कार में अवैध शराब बरघाट या सिवनी लाई जा रही है। जानकारी मिलते ही टीम ने तुरंत बरघाट की ओर दबिश दी और सेलुआ टोल नाका के पास वाहन क्रमांक स्ब्क्क 04 ष्ट्स्न 6483 को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान कार से छह पेटियों में कुल 72 बोतल विदेशी शराब बरामद हुई, जिसकी मात्रा 54 बल्क लीटर है। जब्त शराब में बकार्डी ब्लैक रम, मैकडॉवेल नंबर-1 रम, रॉयल स्टैग व्हिस्की, माइलस्टोन ब्लू व्हिस्की और ऑफिसर्स च्वाइस व्हिस्की की कुल 72 बोतलें शामिल हैं। कार और शराब को जप्त कर आरोपी एहसान खान (पिता शेख जमील), उम्र 32 वर्ष, निवासी अमानगंज वार्ड नंबर 15 बरघाट के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख 10 हजार रुपये बताई गई है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी प्रणय श्रीवास्तव, उप-निरीक्षक खुशबू प्रिया मरावी, मुख्य आरक्षक तीरथ सिंह, आरक्षक लेखसिंह टेकाम, आनंद मरावी, संत राम मरावी और मुकेश अहिरवार शामिल रहे।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग रायसेन की बड़ी कार्यवाही

औबेदुल्लागंज। संध्या प्रकाश -कलेक्टर जिला रायसेन, पुलिस अधिक्षक जिला रायसेन एवं सहायक आयुक्त आबकारी दीपक अवस्थी जिला रायसेन के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिला रायसेन, जिला भोपाल, जिला विदिशा एवं थाना सुल्तानगंज की सम्मिलित कार्यवाही ग्राम चान्दौडा जिला रायसेन में की गई। सहायक जिला आबकारी अधिकारी बबीता भट्ट के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक वृत बेगमगंज रविन्द्र अहिरवार के द्वारा ग्राम चान्दौडा रुद्र प्रताप सिंह चंदेला, बहादुर सिंह उर्फ मुन्ना राजा एवं देवराज बुंदेला आ. रघुराज सिंह के रिहायशी मकान से 472 पेटी पॉवर व्हिस्की, 150 लीटर स्प्रिट, एक चार पहिया वाहन स्कॉर्पियो क्रमांक स्ब्क्क04ं॥ 6031, खाली बारदाना, कैरेमल रंग(मदिरा बनाने हेतु रंग), खाली गत्ते 150 पैकेट एवं गत्तों पर मदिरा कंपनी के नाम छापने की नकली स्लिप जप्त की गई। मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1), 34(2) एवं 49 के तहत 04 आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। उक्त मदिरा एवं वाहन का अनुमानित मूल्य लगभग 41,96,000 रूपये आका गया है।

उक्त कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी शहनाज कुरैशी, शेखर लिखार, अपर्णा राव, आबकारी उपनिरीक्षक वृत औबेदुल्लागंज गौरव भद्रसेन, उपनिरीक्षक वृत बरेली सुनील कुमार मीना, उपनिरीक्षक वृत रायसेन शैलेन्द्र भील, उपनिरीक्षक मुकेश श्रीवास्तव, शैफाली शर्मा उपनिरीक्षक सुनील कुमार मीणा, उपनिरीक्षक निलेश बर्मन का महत्वपूर्ण योगदान रहा उक्त कार्यवाही में तीनों जिलो का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

इनका कहना है

सहायक आबकारी आयुक्त भोपाल दीपक अवस्थी ने बताया कि अवैध मदिरा के खिलाफ लगातार कार्यवाहिया जारी रहेगी।

बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने ओवरब्रिज की मांग की

मण्डला,सांध्य प्रकाश। बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने आज मण्डला जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा से मिलकर अंजनियां बाईपास से घाट तक ओवरब्रिज निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की और आये दिन होने वाले मौतरुपी घटनाओं को देखते हुए उन्होंने पत्र देकर एनएच निर्माण के कार्य में सर्वप्रथम इस ओवरब्रिज का कार्य प्रारम्भ करवाने एवं बिछिया बाईपास का कार्य करवाने हेतु लेख कर ओवरब्रिज का प्रस्ताव रखा है। जिस पर जिला कलेक्टर ने भी बताया कि उन्होंने भी इस संबंध में विभागीय स्तर पर चर्चा की है और नागरिक सुरक्षा के साथ-साथ जनहित एवं लोगों की जिंदगी की सुरक्षा पर विशेष पहल किया। जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने भी इस विषय पर तत्परता से कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

छिंदवाड़ा सड़क ठेका घोटाला...

ब्लैकलिस्टेड सर्टिफिकेट और एक्सपायर लेबर लाइसेंस के साथ मिली 2.39 करोड़ की टेंडर मंजूरी

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश। नगर निगम छिंदवाड़ा के 2 करोड़ 39 लाख के सड़क और नाली निर्माण ठेके में घोटाले की परतें लगातार खुलती जा रही हैं। ठेका प्राप्त करने वाली कंपनी अर्णव एंटरप्राइजेस पर अब एक और बड़ा खुलासा हुआ है–कंपनी का लेबर लाइसेंस एक्सपायर पाया गया है, फिर भी निगम ने पात्रता की अनदेखी कर इसे ठेका दे दिया।इसके पहले सामने आया था कि कंपनी द्वारा लगाया गया श्वक्कस्नह्र का श्वक्कस्न प्रमाणपत्र ब्लैकलिस्टेड फर्म (देवेंद्र धनौरिया, वर्ष 2017) का था, जो टेंडर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

विभाग का जवाब भी संदेह के घेरे में हाईकोर्ट में पेश निगम का जवाब भी सवालों के घेरे में है। बताया जा रहा है कि विभाग ने अपने अभ्यावेदन में कई बिंदुओं पर स्पष्टता नहीं दी है हाईकोर्ट की अगली सुनवाई 5 जनवरी को अब मामले की अगली सुनवाई 5 जनवरी को निर्धारित की गई है।

टेंडर प्रक्रिया में गड़बडि?ों की पूरी टाइम लाइनअप्रैल 2025 में नगर निगम द्वारा सीसी रोड, बीटी रोड और नाली निर्माण के लिए निविदा जारी की गई थी।अर्णव एंटरप्राइजेस ने अनुभव प्रमाणपत्र, एम-20 ग्रेड कार्य का अनुभव और वैध लेबर लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया।श्वक्कस्न प्रमाणपत्र भी ब्लैकलिस्टेड कंपनी का पाया गया। टेंडर में केवल दो प्रतिभागी थे, फिर भी दस्तावेज अधूरे पाए जाने पर टेंडर रिकॉल नहीं किया गया।दर्ज आपत्तियों को दरकिनार कर 17 अक्टूबर को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया।अधिकारी चुप्पी साधे बैठे निगम आयुक्त सी.पी. राय और कार्यपालन यंत्री हिमांशु अतुलकर से प्रतिक्रिया लेने के प्रयास विफल रहे। दोनों ने फोन कॉल रिसीव नहीं किया।

इस नए खुलासे–एक्सपायर लेबर लाइसेंस और ब्लैकलिस्टेड श्वक्कस्न दस्तावेज–ने पूरे ठेका आवंटन को और भी ज्यादा संदेहास्पद बना दिया है। अब शहरभर की निगाहें हाईकोर्ट की 5 जनवरी की सुनवाई पर टिकी हैं।

प्रारंभ हुए अभियान में नपाकर्मियों ने पकड़े 8 खूंखार श्वान

आष्टा, सांध्य प्रकाश। शासन के निर्देशों का क?ाई से पालन करने एवं नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोदकुमार प्रजापति द्वारा नगर में आवारा श्वानों को पक?ने का अभियान चलाया गया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोदकुमार प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि आए दिन नगर में श्वानों की उत्दंडता देखने को मिल रही थी, साथ ही नागरिकों द्वारा शिकायते भी की जा रही थी। वहीं छोटे बच्चों व आम नागरिकों को श्वानों के काटने से घायल भी होना प?ता था। इन सभी को ध्यान में रखते हुए एवं शासन द्वारा प्राप्त निर्देशों का पालन कर नगर में आवारा विचरण करने वाले श्वानों की ब?ती समस्या को नियंत्रित करने के लिए आजसे यह अभियान प्रारंभ किया है जो लगातार जारी रहेगा। आज प्रारंभ किए गए अभियान में लगभग 8 खूंखार श्वानों को पक?ा गया है, जिन्हें नगर से दुरस्थ छो?ा गया। इस अभियान से आवारा कुत्तों के काटने और रेबीज फैलने के जोखिम से कुछ हद तक निजात मिलेगी।

सीपीआर, प्राथमिक उपचार व रक्तदान को लेकर आयोजित होंगे प्रशिक्षण कार्यक्रम

रेडक्रास चेयरमैन डॉ. कुमरे ने मेडीकल कॉलेज में बैठक ले दिए आवश्यक निर्देश

सिवनी सांध्य प्रकाश- जिला रेडक्रॉस सोसायटी सिवनी ने सिवनी मेडिकल कॉलेज में आयोजित बैठक में आगामी सीपीआर, प्राथमिक उपचार और रक्तदान प्रशिक्षण कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता डॉ. एस.एस. कुमरे, स्टेट चेयरमेन ने की। बैठक में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. परवेज सिद्धकी, रेडक्रॉस सिवनी के सचिव अरूण राय, सदस्य डॉ. बसंत राय तथा पीजी कॉलेज, जिला चिकित्सालय, जिला शिक्षा अधिकारी और जनजातीय कार्य विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थाओं और क्लबों के माध्यम से स्वीप कार्यक्रम, प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य जागरूकता के विशेष आयोजन किए जाएंगे। इन गतिविधियों को जिला स्तरीय अभियान के रूप में चलाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों, युवाओं और नागरिकों तक जानकारी पहुंच सके। इसके लिए प्रशिक्षण सामग्री एक सप्ताह में तैयार करने के निर्देश दिए गए।

डॉ. कुमरे ने यह भी कहा कि जिला चिकित्सालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम और प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, पीजी कॉलेज, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी सीनियर रेडक्रॉस और हाई स्कूल स्तर पर तथा जूनियर रेडक्रॉस का 100 प्रतिशत गठन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस से प्राप्त राशि के अनुसार गतिविधियाँ और कार्यक्रम जिला रेडक्रॉस सोसायटी के समन्वय से किए जाएंगे और जूनियर एवं सीनियर रेडक्रॉस से प्राप्त राशि राज्य इकाई को भेजी जाएगी।

अंत में डॉ. कुमरे ने बताया कि सीपीआर, प्राथमिक उपचार और रक्तदान का जागरूकता प्रशिक्षण महाविद्यालयों और हायर सेकेंडरी स्कूलों के काउंसलर, स्टाफ, बच्चों और आंगनवा?ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं, ग्राम सचिव, रोजगार सहायक एवं एनएमएम को दिया जाएगा, जिससे जिले के प्रत्येक गांव में लोगों तक स्वास्थ्य जागरूकता पहुँचे।

छेड़छाड़ करने वाले आरोपी राहुल मालवी को गिरफ्तार किया

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश। पुलिस अधीक्षक छिन्दवाडा अजय पाण्डे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक अजय राणा के निर्देशन पर गंभीर एवं महिला संबंधी अपराधों में फरार आरोपियों की धरपकड हेतु निर्देश जारी किये गए थे। जो थाना प्रभारी देहात निरीक्षक गोविंद सिंह राजपूत ने आरोपियों की धरपकड हेतु थाना स्तर पर विशेष पुलिस टीम गठित कर छेडछाड करने वाले आरोपी राहुल मालवी को गिरफ्तार किया है।

घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 10/12/2025 को प्रकरण में महोगांव खुर्द थाना बिछुआ जिला छिन्दवाडा की रहने वाली युवती ने अपने भाई अरूण उइके एवं आशीष कुमरे के साथ थाना आकर रिपोर्ट लिखवाई थी कि दिनांक 10/12/2025 को प्रकरण में आरोपी राहुल मालवी द्वारा कैटर्स का काम दिलाने के नाम पर घर में बुलाकर आदीवासी युवती से छेडछाड किया है और धमकी दी है कि तेरा विडियो बनाया हूं, अगर किसी को बताई तो विडियो वायरल कर दूंगा। जो रिपोर्ट पर महिला अधिकारी द्वारा अपराध क्र. 587/25 धारा 74,75(1), 115(2),351(3) 3(2)(1 ड्ड),3(1) का कायम कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी गोविंद सिंह राजपूत द्वारा वरिष्ट अधिकारियों के मार्ग दर्शन में आरोपी की धरपकड हेतु थाना स्तर पर विशेष पुलिस टीम गठित कर उक्त अपराध के आरोपी की गिरफ्तारी हेतु हर संभावित स्थानों पर लगातार दविश दी जा रही थी जो दिनांक 11/12/2025 को देहात पुलिस द्वारा आरोपी को खजरी चौक से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी प्रायवेट टेक्सी से नागपुर भागने की फिराक में था। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है।

महत्वपूर्ण भूमिका~ निरी. गोविंद सिंह राजपूत, उनि. देवकरन डेहरिया, सउनि. संदीप सिंह राजपूत, आरक्षक 779 सौरभ बघेल, आर. 275 सूरज चौहान, सायबर सेल से प्रआर. 811 नितिन, आर. 842 आदित्य की विशेष भूमिका रही है। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा टीम को पुरस्कृत की जाने की घोषणा की गई है।

औबेदुल्लागंज पुलिस की तत्परता से बची महिला की जान

औबेदुल्लागंज, सांध्य प्रकाश। संध्या प्रकाश -शुक्रवार को डायल 112 कंट्रोल रूम रायसेन से एक महिला रेल पटरी पर आत्महत्या करने के उद्देश्य घूम रही है जिसकी सूचना पर थाना औबेदुल्लागंज से सहायक उप निरीक्षक मुकेश कबडे आरक्षक ऋषभ यादव महिला आरक्षक ममता तत्काल कंट्रोल द्वारा दिए गए पॉइंट पर पहुंचकर महिला जो रेलवे ट्रैक के साथ साथ जा रही थी की जान बचाई उक्त महिला से पूछताछ की तो महिला औबेदुल्लागंज क्षेत्र का होना बताया तथा पति द्वारा शराब पीने की आदत से परेशान होकर आत्महत्या करने के उद्देश्य से रेलवे पटरी पर घूमने बताया जिसे समझा बुझा कर महिला के देवर जाटव के हमराह रवाना किया गया पुलिस की तत्काल सजगता से एक महिला की जान बचाई गई 7पुलिस की सजकता और कार्यप्रणाली की नगर में प्रशंसा की जा रही है।

डॉ. मोहन यादव का
अभ्युदय
मध्यप्रदेश

भारत के गौरवशाली अतीत और
संस्कृति से जोड़ती अहम पहल

सम्राट विक्रमादित्य प्रवेश द्वार

भूमिपूजन

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

13 दिसम्बर, 2025 | पूर्वाह्न 10:00 बजे
शासकीय माध्यमिक विद्यालय, फंदा, भोपाल

विरासत के
साथ शहरी
विकास

विकास और सेवा के
2 वर्ष

D-11158/25

सीधा प्रसारण

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP

JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025